epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ पुलिस ने अवैध लकड़ी से लदे 2 वाहन जब्त किए

5 जोकोविच ने फ्रिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

8 उपायुक्त उधमपुर ने आश्रय शिविरों का दौरा किया

मौसम जम्मू न्यूनतम 16 अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष 22, जम्मू तवी, अंक 218 | जम्मू तवी, वीरवार 04 सितम्बर 2025 | मूल्य- 3 रूपये (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत-जर्मनी ने बढ़ाया सहयोग, शिक्षा और रणनीतिक साझेदारी पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 03 सितंबर । भारत यात्रा पर आए जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और आज विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर (ईएएम) के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर और वाडेफुल ने दोनों देशों के बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं नवाचार, हरित एवं सतत विकास साझेदारी, शिक्षा और लोगों से लोगों के बीच संबंधों सहित विविध क्षेत्रों में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

दोनों पक्षों ने छात्र आदान-प्रदान और शैक्षिक संबंधों को और बढ़ावा देने के लिए अपने देशों के बीच अल्पकालिक स्कूल और कॉलेज यात्राओं के लिए नि:शुल्क वीज़ा पर सहमति व्यक्त की।

दोनों पक्षों ने रूस-यूक्रेन संघर्ष में हालिया घटनाक्रम, मध्य-पूर्व की स्थिति, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के साथ-साथ आपसी हित के अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर एक नए

द्विपक्षीय परामर्श तंत्र की स्थापना की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

विदेश मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति जर्मन सरकार की एकजुटता और मजबूत समर्थन के लिए भारत सरकार की सराहना व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल 01-03 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे। जर्मन विदेश मंत्री के रूप में यह उनकी पहली आधिकारिक भारत यात्रा रही।

उन्होंने नई दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात की। इस यात्रा के दौरान मंत्री वाडेफुल के साथ एक उच्च-स्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी था। मंत्रालय के अनुसार यह भारत और जर्मनी के बीच तेजी से बढ़ती आर्थिक साझेदारी को दर्शाता है।

यात्रा बेंगलुरु से शुरू हुई, जहां विदेश मंत्री वाडेफुल और उनके प्रतिनिधिमंडल ने भारत में महत्वपूर्ण उपस्थिति वाली जर्मन कंपनियों के साथ बातचीत की और मंगलवार को प्रमुख नवाचार और प्रौद्योगिकी केंद्रों का दौरा किया।

इस मुलाकात में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) जैसे प्रमुख भारतीय संस्थानों के साथ बैठकें शामिल थीं। बेंगलुरु की इस यात्रा में हरित प्रौद्योगिकी, डिजिटल परिवर्तन, एआई, अंतरिक्ष सहयोग और सतत शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

जी.एस.टी परिषद ने दो स्तरीय संरचना को मंजूरी दी, 22 सितंबर तक लागू

नई दिल्ली, 3, सितंबर। भारत की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित अपनी 56वीं बैठक में दो-स्तरीय जीएसटी संरचना को मंजूरी दे दी। 22 सितंबर तक लागू होने वाली यह नई संरचना मौजूदा चार-स्तरीय प्रणाली की जगह 5त्न और 18त्न के दो प्राथमिक कर स्लैब और विलासिता एवं अहितकर वस्तुओं पर 40% की विशेष कर दर लागू करेगी। जीएसटी 2.0% नामक इस सुधार से कर का बोझ कम होने, उपभोग को बढ़ावा मिलने और देश भर में व्यापार सुगमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से राजस्व हानि 47,000 करोड़ रुपये से अधिक होगी। जुलाई 2017 में लागू की गई वर्तमान जीएसटी प्रणाली चार स्लैबों पर काम करती है—5%, 12%, 18% और 28%, साथ ही कुछ वस्तुओं पर अतिरिक्त उपकर भी। नए स्वीकृत ढांचे के तहत, 12% और 28% के स्लैब समाप्त कर दिए जाएँगे, और अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं को या तो 5% योग्यता श्रेणी या 18% मानक श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा। अल्ट्रा-प्रीमियम कारों, एसयूवी, तंबाकू, सिगरेट, पान मसाला और ऑनलाइन गेमिंग जैसी विलासिता की वस्तुओं पर 40% का एक विशेष स्लैब लागू होगा,

जिन्हें अवगुण वस्तुओं के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, लगभग 99% वस्तुएँ जिन पर वर्तमान में 12% कर लगता है—जिनमें घी, मेवे, पैकेज्ड पेयजल (20-लीटर के डिब्बे), नमकीन, दवाइयाँ, चिकित्सा उपकरण, टूथपेस्ट, छाते और साइकिल जैसी आवश्यक वस्तुएँ शामिल हैं—5त्न के स्लैब में स्थानांतरित हो जाएँगी। 28त्न कर स्लैब में आने वाली लगभग 90त्न वस्तुएँ और सेवाएँ 18त्न के स्लैब में आ जाएँगी, जिससे उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला अधिक किफायती हो जाएगी।

जी.एस.टी परिषद की बैठक 2025, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को क्षतिपूर्ति देने के लिए उपयुक्त तंत्र तैयार किए जाने चाहिए : अब्दुल्ला

नई दिल्ली, 3, सितंबर। पहलगाम आतंकवादी हमले के जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर पड़े विनाशकारी प्रभाव को उजागर करते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्र से सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा है क्योंकि 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, उसका सार्वजनिक राजस्व ध्वस्त हो गया था। अब्दुल्ला, जिनके पास वित्त विभाग भी है, ने दिल्ली में 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में कहा कि हमले के बाद पर्यटन, हस्तशिल्प, कृषि और बागवानी सहित प्रमुख आर्थिक क्षेत्र ठप हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित जीएसटी सुधारों से केंद्र शासित प्रदेश के राजस्व में 10 से 12त्न की और कमी आ सकती है। उनका मानना था कि जीएसटी परिषद दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्तावों पर आगे बढ़ सकती है, लेकिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को क्षतिपूर्ति देने के लिए उपयुक्त तंत्र तैयार किए जाने चाहिए। अब्दुल्ला ने ज़ोर देकर कहा कि राजकोषीय संकट से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर को केंद्र का समर्थन महत्वपूर्ण है।

पंजाब में बाढ़ से पौने दो लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद

चंडीगढ़, 03 सितंबर। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज यहां बताया कि राज्य में आई भयंकर बाढ़ के कारण 1,75,216 हेक्टेयर कृषि भूमि में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गुरदासपुर, अमृतसर, मानसा, फिरोज़पुर और फाज़िल्का सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल हैं, जहां फसलों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के 23 जिलों में फसलें, गांव और वहां की आबादी प्रभावित हुई है, जिससे इस आपदा की गंभीरता का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। राहत कार्यों का ब्योरा साझा करते हुए स. हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि निचले और बुरी तरह प्रभावित इलाकों से 20,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

जम्मू में उच्च जोखिम वाले बचाव अभियान में बीएसएफ के हेलीकॉप्टरों ने 45 फंसे ग्रामीणों को बचाया

जम्मू, 03 सितंबर । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को एक साहसिक अभियान के तहत अखनूर सेक्टर के बाढ़ग्रस्त गांव में फंसे महिलाओं और बच्चों सहित 45 नागरिकों को निकालने के लिए अपने हेलीकॉप्टर को एक उच्च जोखिम वाले बचाव अभियान में लगाया और उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ द्वारा यह बचाव अभियान तब शुरू किया गया जब पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें गरखल क्षेत्र के फथू कोटली गाँव की बाढ़ग्रस्त आबादी को निकालने में विफल रहीं। चिनाब नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा था और यह नदी वर्तमान में अपने निकासी स्तर 42 फीट से कई फीट ऊपर बह रही थी।

उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी गांव में घुसने और 45 लोगों के फंस जाने की सूचना मिलने के बाद आज सुबह वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

फंसे हुए नागरिकों से संपर्क स्थापित करने के कई प्रयास करने के बाद नागरिक प्रशासन ने कीमती जान बचाने के लिए बीएसएफ से एक हेलीकॉप्टर की मांग की।

अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ ने इस कॉल पर तुरंत कार्रवाई की और उसके हेलीकॉप्टर ने लगातार बारिश के बावजूद तीन उड़ानें भरकर फंसे हुए गांव से 45 नागरिकों को सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

भारी बारिश के कारण एक पुराना मकान ढहने से मलबे में फंसे तीन लोगों को बचाया गया

जम्मू, 3 सितंबर । जम्मू में भारी बारिश के कारण एक पुराना मकान ढहने से मलबे फंसे तीन लोगों को बुधवार को बचा लिया गया। यह घटना पक्का डांगा इलाके के काली झन्नी मोहल्ले में हुई। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और स्थानीय निवासियों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और फंसे हुए लोगों को बाहर निकाला। स्थानीय विधायक युद्धवीर सेठी जिन्होंने इस अभियान की निगरानी की ने उपायुक्त से इलाके के पुराने और असुरक्षित मकानों को ढहाने का अनुरोध किया क्योंकि ये स्थानीय लोगों के लिए खतरा पैदा करते हैं। एक अन्य घटना में पुराने शहर के इलाके में एक इमारत ढह गई। अधिकारियों के

अनुसार इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

बसोहली में भूस्खलन के कारण 19 घरों को नुकसान, लोगों ने स्कूलों में ली शरण

कठुआ, 03 सितंबर (हि.स.)। जिला कठुआ की पहाड़ी तहसील बसोहली में भारी बारिश का कहर जारी है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। बसोहली की पंचायत झंखर के वार्ड नंबर 2 कुंड में लगभग 19 परिवारों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिनमें दरारें आ गई हैं। बसोहली के झंखर मौड में भूस्खलन के कारण 15 से 20 घरों को भारी नुकसान हुआ है जिससे लोग अपने घर छोड़कर स्कूलों में शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। बसोहली उपजिला के जीरो मोड से धार महानपुर जाने वाली सड़क भी भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। पंचायत झंखर के वार्ड नंबर 2 कुंड में लगभग 19 परिवारों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिनमें दरारें आ गई हैं। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के प्रयास किए हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है वहीं प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

चिनाब नदी उफान पर, अखनूर के कई गाँव जलमग्न; 40 फँसे, बचाव कार्य जारी

जम्मू, 3 सितंबर । लगातार बारिश के बाद बुधवार को जम्मू संभाग के अखनूर इलाके में चिनाब नदी खतरे के निशान को पार कर गई जिससे एक मंदिर जलमग्न हो गया और क्षेत्र के कई गाँवों का संपर्क टूट गया। एक अधिकारी ने बताया कि नदी के उफान पर आने से कोटली गाँव के कई घर पानी में डूब गए जबकि हमीरपुर में पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया जिससे सड़क संपर्क टूट गया और गाँव पूरी तरह से कट गया। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने एक सार्वजनिक सलाह जारी की है जिसमें लोगों से नदी के किनारों से दूर रहने और बच्चों को घर के अंदर रखने का आग्रह किया गया है। अधिकारी ने कहा कि गरखल ग्राम पंचायत में गुज्जर समुदाय के लगभग 40 सदस्यों के फंसने के बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। प्रशासन ने उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के लिए एक बड़ा बचाव अभियान शुरू किया है। उन्होंने आगे कहा कि स्थिति पर नज़र रखने के लिए टीमें ज़मीन पर मौजूद हैं।

भारी बारिश के चलते रेलवे ने जम्मू में 30 सितंबर तक 68 ट्रेनें रद्द कीं, 24 फिर से चलेंगी

जम्मू, 03 सितंबर । उत्तर रेलवे ने जम्मू और कटरा स्टेशनों से 30 सितंबर तक आने-जाने वाली 68 ट्रेनों को रद्द कर दी हैं, जबकि 24 ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू किया जा रहा है। हाल ही में हुई भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद पठानकोट-जम्मू सेक्शन में कई जगहों पर आठ दिनों से रेल यातायात बाधित है। रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि 26 अगस्त से जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश के कारण बड़ी संख्या में लोग, खासकर तीर्थयात्री फंस गए हैं। रेल और सड़क यातायात बुरी तरह बाधित हुआ है। जम्मू क्षेत्र में बुधवार तक 380 मिमी बारिश के साथ 1910 के बाद से सबसे भारी बारिश दर्ज की गई है। फंसे हुए यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए जम्मू तवी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा (2 शटल सेवायें), जम्मू तवी-कोलकाता और श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली ट्रेन चलाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली 03 सितंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आपात बैठक बुलाकर जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश से उत्पन्न हालात की समीक्षा की।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी ने उन्हें कश्मीर घाटी की ताज़ा स्थिति की जानकारी दी, वहीं मंत्री जावेद अहमद राणा और सतीश शर्मा ने जम्मू संभाग की स्थिति, जिसमें अचानक आई बाढ़, सड़क अवरोध तथा नदी किनारे और भूस्खलन-प्रवण क्षेत्रों में बसे संवेदनशील बस्तियों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए कि ज़मीनी प्रतिक्रिया को और मज़बूत किया जाए, जलभराव वाले क्षेत्रों को तुरंत साफ़ किया जाए, बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा संवेदनशील इलाक़ों में रहने वाले निवासियों की समय पर निकासी की जाए।

उन्होंने मंडल और ज़िला प्रशासन को आपदा प्रबंधन एजेंसियों, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के साथ निकट तालमेल रखने और हर स्थिति के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में राशन, ईंधन, दवाइयों और पेयजल की पर्याप्त

व्यवस्था की जाए तथा आपातकालीन चिकित्सा दल हर समय तैयार रहें।

मुख्यमंत्री झेलम और इसकी सहायक नदियों में जल स्तर बढ़ने, बिजली एवं पानी की आपूर्ति, सड़क संपर्क की स्थिति की प्रति घंटा जानकारी ले रहे हैं और उन्होंने संबंधित विभागों को आदेश दिया है कि आम जनता को समय से पहले किसी भी संभावित स्थिति के बारे में चेतावनी दी जाए और प्रशासन लोगों को तत्काल सहायता एवं मदद उपलब्ध कराए।

जन सहयोग की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग प्रशासन द्वारा जारी परामर्श का पालन करें, असुरक्षित क्षेत्रों से दूर रहें और आपात स्थिति तुरंत रिपोर्ट करें।

उपराज्यपाल ने अत्यधिक वर्षा और बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया, राजौरी की त्रासदी पर संवेदना व्यक्त की

श्रीनगर 03 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भारी वर्षा के बाद बनी स्थिति का जायजा लेने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। उन्हें सेना, वायु सेना, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, जिला प्रशासन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा राहत बल की भर्त्सना एवं राहत कार्यों की जानकारी दी गई, जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए मैदान में हैं। उन्हें बताया गया कि अखनूर में बाढ़ से प्रभावित लोगों को बीएसएफ, एनडीआरएफ और पुलिस द्वारा सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। अनंतनाग, बड़गाम और पुलवामा के लगभग 67 गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया और पुलवामा और शोपियां में खानाबदोश परिवारों को जिला प्रशासन द्वारा आश्रय दिया गया। श्रीनगर शहर में लगभग 9 राहत शिविरों को आपात स्थिति के लिए तैयार रखा गया है। उपराज्यपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों को जल जनित बीमारियों से निपटने के लिए सभी आवश्यक निवारक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों को राशन, कंबल, दवाइयां, एलपीजी और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने तथा विद्युत ढांचे की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने को कहा।

त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, 03 सितंबर । आगामी त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे ने कई विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की घोषणा की है। ये ट्रेनें सितंबर से नवम्बर तक विभिन्न मार्गों पर चलेंगी।

उत्तर रेलवे के अनुसार हजरत निजामुद्दीन-पटना जंक्शन के बीच दैनिक सुपरफास्ट वातानुकूलित स्पेशल ट्रेन 21 सितंबर से 29 नवंबर तक प्रतिदिन चलेगी। वहीं, पटना से हजरत निजामुद्दीन के लिए वापसी सेवा 22 सितंबर से 30 नवम्बर तक उपलब्ध रहेगी। यह ट्रेन गाजियाबाद, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

इसके अलावा, आनंद विहार टर्मिनल-पाटलिपुत्र के बीच भी दैनिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 21 सितंबर से 29 नवम्बर तक चलेगी। वापसी यात्रा 22 सितंबर से 30 नवम्बर तक रहेगी। यह ट्रेन वाराणसी, गाजीपुर सिटी, बलिया और छपरा जैसे मार्गों से होकर गुजरेगी।

साथ ही, नई दिल्ली-हसनपुर रोड के बीच भी एक विशेष ट्रेन 1 अक्टूबर से 29 नवम्बर तक प्रतिदिन चलाई जाएगी। हसनपुर रोड से वापसी सेवा 2 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक संचालित होगी।

एआई-संचालित शासन सार्वजनिक सेवा वितरण में बदलाव ला सकता है : एलजी कविंदर

लेह, 3 सितंबर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में नियमित कार्यों को स्वचालित करके, नागरिक सेवाओं को वैयक्तिकृत करके और अधिक प्रभावी नीति नियोजन एवं संसाधन आवंटन के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेने को सक्षम बनाकर शासन में बदलाव लाने की अपार क्षमता है। हालाँकि एआई के सफल एकीकरण के लिए मानवीय निगरानी और तकनीकी नवाचार के बीच एक संतुलित तालमेल की आवश्यकता है ताकि एक पारदर्शी, कुशल और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली सुनिश्चित हो सके। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने आज एलजी सचिवालय में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में सुशासन को बढ़ाने के

लिए एआई-संचालित प्रौद्योगिकियों के संभावित कार्यान्वयन की खोज卐 विषय पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये बातें कहीं। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. पवन कोतवाल, प्रमुख सचिव संजीव खिरवार, प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। बैठक के दौरान बेंगलुरु स्थित कंपनी कोरोवर के संस्थापक अंकुश सभरवाल ने शासन में एआई-संचालित समाधानों के दायरे पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें नागरिक जुड़ाव को बेहतर बनाने और सरकारी सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए संवादात्मक प्लेटफार्मों और चैटबॉट्स का उपयोग शामिल था।

शादी के बाद क्यों मोटी हो जाती है लड़कियां?

शादी के पहले हर लड़की अपने आपको स्लीम ट्रीम देखने के लिए हर तरह के उपाय करती है जिससे उसका वजन ना बढ़े पर अक्सर आपने सुना होगा कि शादी हो जाने के बाद लड़कियों का वजन बढ़ने लगता है और लगातार बढ़ते वजन के चलते काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, शादी के 5 साल के अंदर करीब 82त्न कपल्स का वजन 5 से 10 किलो तक बढ़ जाता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इसके लिए शादी के बाद हमारी लाइफस्टाइल और बॉडी में बदलाव दोनों जिम्मेदार होते हैं। आखिर क्या कारण है जिससे शादी के बाद लड़कियों का वजन क्यों बढ़ जाता है। आइएं जानें...

- डाइट में बदलाव

शादी के बाद पति के साथ रहकर हम बाहर का खाना ज्यादा पसंद करते है। इसके साथ ही आपसी बातचीत के दौरान भी हम कुछ ना कुछ खाते रहते है। शादी के बाद कपल हनीमून पर चले जाता है जहां जाकर बाहर का खाना खाते है। यही हमारे मोटापे का कारण बनता है। डाइट में आए इन बदलावों से हमारे शरीर में कैल्शियम और विटामिन बी की कमी हो जाती है। एनर्जी की कमी से बार-बार खाने को मन कर करता है जिससे वजन बढ़ता है।

- हार्मोनल परिवर्तन

जब लड़की शादीशुदा जीवन में प्रवेश करती है तो वह कई तरह के इमोशनल और हार्मोनल बदलाव भी आते है। शारीरिक परिवर्तन भी शरीर में होने लगते है और शादी को खुशहाल बनाने के लिए सेक्सुयल लाइफ में एक्टिव होना भी वजन बढ़ाने में जिम्मेदार होता है।

- आलसीपन

शादी के पहले जब लड़किया सिंगल रहती है तो कुछ ना कुछ एक्सट्रा काम करती रहती है पर शादी हो जाने के बाद उनका पूरा समय अपने पति के इंतजार में ही बीत जाती है और शरीर आलसी भी हो जाता है।

- स्ट्रेस

शादी के बाद लड़की के जीवन में बहुत बदलाव आता है। लड़की पर कई जिम्मेदारियां आती है जिससे स्ट्रेस बढ़ता है। स्ट्रेस बढ़ने से भूख ज्यादा लगती है और वजन बढ़ता है।

- जिम्मेदारी

घर के साथ-साथ जब बच्चों की जिम्मेदारी भी आ जाती है जिससे खाने का कोई निश्चति समय नहीं होता। खाने में संतुष्टि न होने पर भूख ज्यादा लगती है।

- प्रेगनेंसी

शादी के कुछ समय बाद ही कपल्स फॅमिली प्लानिंग के बारे में सोच लेते है। प्रेगनेंसी के बाद लड़कियों का वजन बढ़ जाता है और बाद में लड़कियां अपने शरीर की तरह इतना ध्यान नहीं दे पाती।

जानिए किन कारणों से आती है रिश्तों में उलझन!

जीवन में अक्सर किसी न किसी जरूरत को पूरा करने के लिए ही रिश्ते बनाए जाते हैं और जब वह जरूरत या अपेक्षा पूरी नहीं होती, तो रिश्तों में उलझनें एवं दरारें आ जाती हैं। किसी से मन-मुटाव होने पर उसके बारे में कोई भी फैसला लेते समय उससे जुड़ी अपनी अच्छी यादों के बारे में भी अवश्य सोचकर देखें कि क्या आप वास्तव में उन्हें भुला सकती हैं।

– खुद से भी पूछें

यदि आप सोचती हैं कि दूसरे गलत हैं, तो खुद से पूछें कि कहीं कुछ ऐसा तो नहीं, जो आपको भीतर से उदास कर रहा है। कई बार समस्या का समाधान खुद के भीतर ही होता है। जीवन की बड़ी तस्वीर देखें तथा रिश्तों को कुछ अपेक्षाओं तक ही सीमित न करें। दूसरों की भी सुनें

- खुद में बदलाव यदि किसी को बदलना चाहती हैं, तो खुद से पूछें कि आप खुद में क्या बदल सकती हैं। यदि आपको लगता है कि आप जीवन से खुश नहीं हैं, तो इसका दोष संबंधों को न दें, बल्कि ऐसे काम करें, जो आपको यह अहसास कराएं कि इस दुनिया में आपकी भी जगह है।

– कहीं आप भी तो ऐसी नहीं

एक पल के लिए अपने जीवन में किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचें, जो आपको टैंशन देता है। अब उसके बारे में वह तीन बातें सोचें जो आपको पसंद नहीं है, फिर खुद के भीतर झांकें और पूछें कि आपका उनके साथ व्यवहार कैसा था। कहीं आप भी तो वैसी ही नहीं हैं। क्या आप खुद को बदल सकती हैं, जब आप अपनी सोच और व्यवहार में से उन आदतों और तरीकों को दूर कर देंगी तो वह व्यक्ति भी बदल जाएगा या फिर आपके जीवन से चला जाएगा। यह बात बॉस, सहकर्मी, कर्मचारी, दोस्त, प्रेमी, पति और बच्चे सब पर लागू होती है।

– बॉस

यदि आप सोचती हैं कि आपके बॉस सिर्फ गलतियां ही निकालते हैं और कभी आपकी प्रशंसा नहीं करते, तो एक बार खुद के भीतर देखें। कहीं आप ही तो यह नहीं मान बैठी हैं कि बॉस गलती ही निकालते हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि आपको ही उनका हर फैसला गलत लगता है। यदि ऐसा है तो अपना नजरिया बदल कर उनके शब्दों का वास्तविक मर्म समझना आरंभ करें।

– सहकर्मी

आपको ऐसा क्यों लगता है कि कोई सहकर्मी आपका बुरा चाहता है या आपको सहयोग नहीं देता, जरा गौर कर के देखें कहीं ऐसा तो नहीं कि आप खुद भी दूसरों को सहयोग नहीं करती हैं इसलिए दूसरे आपको सहयोग करने से कतराते हैं।

– दोस्त

क्या आपकी कोई सहेली आपको हीनता का अहसास करवाती है या आपका इस्तेमाल करती है। यदि ऐसा है तो उसका कारण जानने का प्रयास करें। कहीं ऐसा तो नहीं कि जिन क्षेत्रों में आप सक्षम हैं वहां आप अनजाने में उसे हीनता का अहसास करवा रही हों।

– पार्टनर

यदि आपको लगता है कि आप का पार्टनर चिड़चिड़ा एवं असहयोगी है या वह आपकी नहीं सुनता तो तुरंत किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले उसके अतीत में जाएं। कहीं ऐसा तो नहीं कि उसने अपने आसपास या बचपन में ऐसे जोड़े देखे हैं, जो एक-दूसरे का सहयोग नहीं करते तथा रिश्तों की वह छवि उसके मन में घर कर गई हो।

ससुराल में रखना है बोल-बाला तो ना करें ये काम

अगर आपकी नई-नई शादी हुई है या फिर शादी होने वाली है तो आपकों बता दें कि शादी के बाद इन जरुरी बातों का ध्यान रखना होगा तभी आप एक अच्छी बहू बन सकती है।

1. गुस्सा न करें शादी के बाद नए घर में हर किसी का नेचर अलग-अलग होता है लेकिन अगर कोई कुछ बोल दे तो उसकी बात का बुरा मान कर गुस्सा होने में कोई भलाई नहीं है। आपको सदस्?यों के नेचर को पहचानने में थोड़ा वक्त जरूर लगेगा।

2. बहस बाजी करने से बचें

यदि आपकी सासु मां या ननद आपसे कुछ करने को कहें और आपका मन उसे न करने का हो या फिर आप थकी हुई हैं, तो प्यार से उन्हें समझा कर कहें। जोर-जबरदस्ती करने की बजाए उनके मन की जानें, फिर अपने मन की कहें। बहस करके आप तो जीत जाते हैं, लेकिन रिश्ता हार जाता है।

3. किसी की बुराई न करें

नए-नए सदस्यों के सामने ना तो किसी की बुराई करें और उनकी बुराई भी करने से बचें। हो सकता है इससे आपको आगे चलकर परेशानी का सामना करना पड सकता है।

4. गुमसुम न रहें ससुराल में आते ही कुछ दिन बड़ा अकेलापन सा लगता है और घर में दिल नहीं लगता लेकिन धीरे-धीरे खुद को एडजस्ट करना सीख लें। सभी सदस्यों से बातें करें और उनके बारे में जानने की कोशिश करें। इससे आपका मन पूरी तरह से रम जाएगा और आप गुमसुम नहीं रहेंगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

बीआरओ महानिदेशक ने बनी–बसोहली रोड का दौरा कर मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

कठुआ, 03 सितंबर (हि.स.)। बीआरओ के महानिदेशक रघु श्रीनिवासन ने बनी–बसोहली रोड टिकरी मोड का दौरा कर बाढ़ से हुई सड़क क्षति का जायजा लिया। उन्होंने मरम्मत कार्यों को तेजी से पूरा करने और सड़क को जल्द बहाल करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उनके साथ बसोहली एमएलए भी मौजूद रहे बीते दिनों जिला कठुआ में हुई भारी बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में सीमा सड़क संगठन की कई मुख्य सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इसी संबंध में बुधावार को बीआरओ के महानिदेशक रघु श्रीनिवासन ने बनी–बसोहली रोड टिकरी मोड का दौरा कर बाढ़ से हुई सड़क क्षति का जायजा लिया। और मरम्मत कार्यों को तेजी से पूरा करने और सड़क को जल्द बहाल करने के निर्देश दिए। वहीं स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि जल्द ही सड़क यातायात के लिए खोल दी जाएगी।

गौरतलब हो कि बनी–बसोहली रोड़ बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। वहीं बीआरओ का मुख्य उद्देश्य सीमा क्षेत्रों में सड़कों और बुनियादी ढांचे का निर्माण और रखरखाव करना है, जिससे सेना की गतिशीलता और नागरिकों के लिए आवागमन आसान हो सके।

बाढ़ प्रभावितों के लिए गांधी ग्लोबल फैमिली ने लगाया तीन राहत शिविर

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। गांधी ग्लोबल फैमिली जम्मू–कश्मीर ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए तीन बड़े राहत शिविर आयोजित किए। ये शिविर असरारवाड़ सिधड़ा (गोल्फ कोर्स के पास), कतल बाटाल और कालिका कॉलोनी (गोरख नगर) में लगाए गए जहां ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सैकड़ों पीड़ित परिवारों को सहायता सामग्री वितरित की गई। इन शिविरों का आयोजन लॉरेंस पब्लिक स्कूल सिधड़ा, रोटरी इंटरनेशनल हेल्पिंग हैंड (जम्मू) और शिक्षकों के एक समर्पित समूह के सहयोग से संभव हुआ, जिसका नेतृत्व जीजीएफ महिला प्रकोष्ठ जम्मू क्षेत्र की अध्यक्ष डॉ. अलका शर्मा ने किया। राहत कार्यों में कई गणमान्य नागरिक और समाजसेवी शामिल हुए जिनमें पद्मश्री डॉ. एस.पी. वर्मा, आर्मी वेटरन लेफ्टिनेंट जनरल राकेश शर्मा, दिनेश गुप्ता, जसविंदर सिंह कुक्कू, नरेश मैनी, सुमी साहनी सेठ, डॉ. परविंदर, पुनीत कौर, जिमी कौर बाली, रोटरी हेल्पिंग हैंड के अध्यक्ष सनी गुप्ता, डॉ. वीणू जम्वाल, करुणा गुप्ता, प्रभा स्लाठिया, मनीष जोशी, वेद वर्मा, जी.एल. चांदा, राजिंदर सिंह, पूर्व पार्षद शम्मा चौधरी, पं. रमेश्वर दत्त, पूर्व पार्षद रीमा ठाकुर समेत कई स्वयंसेवी संगठन और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जीजीएफ अब तक जम्मू क्षेत्र में आठ राहत शिविर आयोजित कर चुकी है और हजारों बाढ़ पीड़ितों तक सहायता पहुँचाई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू दौरे पर भाजपा नेताओं ने जताया आभार

जम्मू, 3 सितंबर। भारत सरकार के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी के जम्मू के आपदाग्रस्त क्षेत्रों के दौरे उपरांत भारतीय जनता पार्टी जम्मू–कश्मीर इकाई के कार्यकर्ताओं और जनता ने राहत कोष प्रदान करने एवं पुनर्विकास कार्यों की घोषणा के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्राकृतिक आपदा एवं बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे त्वरित राहत और पुनर्विकास उपाय पीड़ितों को शीघ्र सामान्य जीवन में लौटने में सहायक होंगे। जम्मू एयरपोर्ट पर विदाई के दौरान प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष राजीव चाढ़क, पूर्व मंत्री प्रिया सेठी, वरिष्ठ नेता रशपाल वर्मा, राकेश महाजन, रेखा महाजन, प्रदेश सचिव पवन शर्मा, रीमा पाद्दा, अरुण शर्मा, मोर्चा अध्यक्ष अरुण देव सिंह जमवाल, राकेश पन्त, दविन्द्र कुमार, नवजोत सिंह नलवा, ब्रह्मजोत सत्ती, प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रभात सिंह जमवाल, जिला अध्यक्ष नरेश सिंह जसरोटिया एवं रिंकू चौधरी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजीव चाढ़क ने कहा कि माननीय गृह मंत्री का दौरा प्रदेश की जनता के लिए ऊर्जा और मार्गदर्शन देने वाला सिद्ध होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक पुनर्विकास कार्य होंगे, क्षतिग्रस्त सड़कें व पुलों का शीघ्र पुनर्निर्माण किया जाएगा और जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें समुचित राहत व पुनर्वास उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की अनेक योजनाएँ प्रदेश की जनता तक पहुँच रही हैं, किंतु कुछ योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही देखने को मिल रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि माननीय गृह मंत्री इनके प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश देंगे, जिससे जम्मू–कश्मीर का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

नदियों का प्रकोप– चिनाब और तवी खतरे के निशान से ऊपर, तटबंध टूटे

अमीर इक़बाल खान

भद्रवाह, 3 सितम्बर। लगातार मूसलाधार बारिश ने मंगलवार और बुधवार को चिनाब व तवी नदियों को उफान पर ला दिया। दोनों नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुँचने से कई स्थानों पर सुरक्षात्मक तटबंध टूट गए, जिसके चलते अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए। दूसरी ओर, भद्रवाह और आसपास के क्षेत्रों में भी तटबंध टूटने से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। पिछले 48 घंटों से जारी तेज़ बारिश ने नीरू नाला और हल्याण धारा को भी उफान पर ला दिया है, जिससे गाँवों में पानी भर गया और खेतों में खड़ी फसल बह गई। बाढ़ के पानी ने कई मकानों को नुकसान पहुँचाया, उपजाऊ ज़मीन को बहा दिया और दर्जनों परिवारों को चारों ओर से पानी में घेर लिया। कई ग्रामीण इलाकों से मवेशियों और संपत्ति के भारी नुकसान की खबरें सामने आई हैं, जिससे मानवीय संकट की आशंका गहराती जा रही है। भद्रवाह निवासी मोहम्मद सलीम बट ने हालात को अभूतपूर्व बताते हुए कहा, भल्लेसा क्षेत्र में कई जगह भूस्खलन से सड़कें बंद हो गई हैं। लगातार बारिश से पहाड़ियाँ अस्थिर हो चुकी हैं और अपने आप बोल्डर नीचे गिर रहे हैं। भद्रवाह में भी संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट चुका है, जिससे लोग अलग–थलग पड़ गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्टि की है कि दूरदराज़ इलाकों को जोड़ने वाली मुख्य सड़कों पर नए भूस्खलन के कारण यातायात ठप है। राहत दल बेहद कठिन हालात में फंसे लोगों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं।

पितृपक्ष श्राद्ध 7 सितम्बर से, अमावस्या पर होगा सर्वपितृ श्राद्ध

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। पितरों की आत्मा की तृप्ति के लिए किया जाने वाला श्राद्ध इस बार 7 सितम्बर से आरंभ होकर 21 सितम्बर तक चलेगा। ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री, अध्यक्ष श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट ने जानकारी दी कि भाद्रपद पूर्णिमा से शुरू होकर अश्विन अमावस्या तक चलने वाले पितृपक्ष में श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य के अनुसार श्राद्ध, तर्पण और दान–पुण्य करें।

उत्तर प्रदेश के एक आदतन गोवंश तस्कर पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

कठुआ, 03 सितंबर (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने गोवंश तस्करी की कई गतिविधियों में संलिप्तता के बाद एक आदतन अपराधी गोवंश तस्कर पर जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट कठुआ के निर्देश पर आरोपी मोहम्मद आसिफ पुत्र मोहम्मद याकूब निवासी मोहल्ला नदीम कॉलोनी सहारनपुर उत्तर प्रदेश के विरुद्ध वारंट जारी किया गया था। जिसपर तुरंत कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ के पर्यवेक्षण में लखनपुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर तारिक अहमद के नेतृत्व में पुलिस थाना लखनपुर की पुलिस पार्टी ने आरोपी को गिरफ्तार किया और जिला पुलिस कठुआ से डोजियर प्राप्त होने के बाद जिला मजिस्ट्रेट कठुआ द्वारा आरोपी के विरुद्ध जारी जम्मू–कश्मीर जन सुरक्षा अधिनियम 1978 की धारा 8(1)(ए) के तहत उक्त वारंट तामील किया।

कठुआ पुलिस ने अवैध लकड़ी से लदे 2 वाहन जब्त किए

कठुआ, 03 सितंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने नाका जाँच के दौरान पुलिस पोस्ट नगरी पैरोल के ऐरवां इलाके से अवैध लकड़ी से लदे 2 वाहन जब्त किए। जनकारी के अनुसार पुलिस पोस्ट नगरी पैरोल की एक पुलिस टीम ने ऐरवां में नाके के दौरान 2 वाहनों को जांच के लिए रोका, जिनमें पंजीकरण संख्या जेके02सीआर–8391 वाला एक ट्रक लोड कैरियर और बिना पंजीकरण संख्या वाला एक ट्रैक्टर ट्रॉली शामिल था। जाँच के दौरान दोनों वाहन अवैध लकड़ी से लदे पाए गए। पूछताछ करने पर दोनों वाहन चालक स्वामित्व और उक्त वाहनों में लदे वनोपज के परिवहन की अनुमति से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहे। जिसके परिणामस्वरूप वन उपज सहित दोनों वाहनों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया और आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह की देखरेख में नगरी पुलिस पोस्ट प्रभारी पीएसआई रविंदर ठाकुर द्वारा की गई।

भारी बारिश से हुई बाधा के बीच जम्मू नगर निगम ने जलापूर्ति के उपाय किए तेज़

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज जम्मू शहर के कंपनी बाग का व्यापक दौरा किया और निवासियों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैनात किए गए पानी के टैंकरों का निरीक्षण किया। पिछले कुछ दिनों से लगातार और भारी बारिश ने नियमित जल आपूर्ति नेटवर्क को बुरी तरह बाधित कर दिया है जिससे विभिन्न इलाकों में व्यापक असुविधा और सुरक्षित पेयजल की कमी पैदा हो गई है। इस संकट से निपटने के लिए जम्मू नगर निगम ने अधिकतम संसाधन जुटाए हैं और पूरे शहर में मुफ्त पानी के टैंकर आपूर्ति शुरू की है। सबसे अधिक प्रभावित और घनी आबादी वाले इलाकों में पानी की आपूर्ति के लिए टैंकरों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बुनियादी पेयजल आवश्यकताओं को तत्काल पूरा किया जा सके। अपने दौरे के दौरान डॉ. यादव ने आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के लिए निवासियों और क्षेत्रीय कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वर्तमान में पानी के टैंकर समुदाय–आधारित प्रणाली के तहत उपलब्ध कराए जा रहे हैं जहाँ टैंकरों को प्रत्येक इलाके में निर्दिष्ट संग्रहण बिंदुओं पर भेजा जाता है। इन बिंदुओं से निवासी अपने घरों के लिए पीने का पानी प्राप्त कर सकते हैं। स्थिति स्पष्ट करते हुए, डॉ. यादव ने कहा कि उच्च माँग और मौसम की चुनौतियों के कारण इस समय व्यक्तिगत घरों तक टैंकरों की आपूर्ति संभव नहीं है। हालाँकि उन्होंने नागरिकों को सूचित किया कि यदि अतिरिक्त आपूर्ति की आवश्यकता हो तो वे शाम 7.00 बजे के बाद निजी जल टैंकरों का उपयोग कर सकते हैं क्योंकि सरकारी संसाधन दिन के दौरान अधिकतम क्षेत्रों में पानी पहुँचाने के लिए पूरी तरह से कार्यरत हैं।

प्रो कबड्डी लीग सीजन–12 की टेक्निकल कमेटी नामित

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। जम्मू–कश्मीर एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के महासचिव एवं एशियन कबड्डी फेडरेशन के टेक्निकल डायरेक्टर डॉ. कुलदीप कुमार गुप्ता को प्रो कबड्डी लीग सीजन–12 की टेक्निकल कमेटी का सदस्य नामित किया गया है।

यह लीग वर्तमान में विशाखापट्टनम (विजाग) में आयोजित हो रही है, जिसके बाद मुकाबले जयपुर और चेन्नई में होंगे तथा फाइनल मुकाबला दिल्ली में खेला जाएगा। डॉ. गुप्ता को हाल ही में तीसरे एशियन यूथ गेम्स, जो अक्टूबर 2025 में बहरीन में आयोजित होने जा रहे हैं, में टेक्निकल डेलीगेट भी नियुक्त किया गया है।

बाढ़ संकट के बीच एबीवीपी ने अधिकारियों से जेकेपीएससी सिविल जज परीक्षा स्थगित करने का आग्रह किया

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जम्मू कश्मीर ने अधिकारियों से 21 सितंबर, 2025 को होने वाली सिविल जज परीक्षा स्थगित करने की तत्काल अपील की है। हाल ही में आई बाढ़ जैसी स्थिति और प्रतिकूल मौसम ने राज्य को बुरी तरह प्रभावित किया है जिससे सामान्य जनजीवन ठप हो गया है। एबीवीपी ने छात्रों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला है जिनमें बाधित कनेक्टिविटी, गंभीर बिजली कटौती, नेटवर्क और संचार संबंधी समस्याएं, अध्ययन सामग्री का नुकसान, परिवारों का विस्थापन, मनोवैज्ञानिक तनाव और असमान अवसर शामिल हैं। इन चुनौतियों ने छात्रों के लिए परीक्षा की तैयारी करना बेहद मुश्किल बना दिया है। सनक श्रीवत्स, राज्य सचिव, एबीवीपी जम्मू कश्मीर ने कहा कि राज्य हाल ही में आई बाढ़ जैसी स्थिति के कारण अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है। हम अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि वे छात्रों के कल्याण को प्राथमिकता दें और 21 सितंबर, 2025 को होने वाली जेकेपीएससी सिविल जज परीक्षा को स्थगित कर दें। वर्तमान स्थिति ने छात्रों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे उनके लिए परीक्षा की तैयारी करना बेहद मुश्किल हो गया है। हमारा मानना है कि निष्पक्षता और समान अवसर आवश्यक सिद्धांत हैं जिनका प्रतियोगी परीक्षाओं में पालन किया जाना चाहिए। छात्रों द्वारा सामना की जा रही वास्तविक कठिनाइयों को देखते हुए हम जेकेपीएससी से अनुरोध करते हैं कि वे परीक्षा को बाद की किसी उपयुक्त तिथि तक स्थगित करने पर विचार करें जब परिस्थितियाँ अनुकूल हों और सभी उम्मीदवारों की निष्पक्ष भागीदारी सुनिश्चित हो सके। हमें उम्मीद है कि अधिकारी प्रभावित छात्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई करेंगे और उन्हें आवश्यक राहत और सहायता प्रदान करेंगे। छात्रों की वास्तविक कठिनाइयों को देखते हुए एबीवीपी ने जेकेपीएससी से अनुरोध किया है कि सिविल जज परीक्षा को बाद की किसी उपयुक्त तिथि तक स्थगित कर दिया जाए जब परिस्थितियाँ अनुकूल हों, और सभी उम्मीदवारों की निष्पक्ष भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिये गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओं से फिरोजपुर मंडल में ई–नीलामी आमंत्रित किया जाता है:

नीलामी सूची सं.	नीलामी शुरू होने का समय और तारीख	कार्य का नाम
EAFZR-PnU25-19	09.09.25 को 12:30 बजे	जालंधर शहर रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालयों के संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध का आवंटन ।
EAFXZR-MA25-4	10.09.25 को 11:30 बजे	गाड़ी संख्या 14634, 20424/20423, 12408, 14622/21 & 14626/25, 20498/20497 (ग्रुप रेक लिंक) ट्रेनें के सवारी डिब्बों के बाहरी भाग पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार अधिकारों के लिए अनुबंध का आवंटन।
EAFZR-PRKG25-17	12.09.25 को 11:30 बजे	डीएवी कालेज जालंधर हाल्ट रेलवे स्टेशन पर पार्किंग स्थल का ठेके पर आवंटन ।
EAFZR-PnU25-20	15.09.25 को 11:30 बजे	फाजिल्का रेलवे स्टेशन पर पे एंड यूज शौचालयों के संचालन और रखरखाव के लिए अनुबंध का आवंटन।
EAFZR-MIS25-18	15.09.25 को 11:30 बजे	1) रेलवे स्टेशन फिरोजपुर कैंट पर मोबाइल और मोबाइल एक्सेसरीज स्टोर और टेक्सटाइल स्टोर (विज्ञापन अधिकारों के साथ) के प्रावधान एवं संचालन के लिए अनुबंध का आवंटन । 2) जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर टेक्सटाइल स्टोर (विज्ञापन अधिकारों के साथ) के प्रावधान एवं संचालन के लिए अनुबंध का आवंटन । 3) अमृतसर रेलवे स्टेशन पर यात्रा सहायता डेस्क के प्रावधान एवं संचालन के लिए अनुबंध का आवंटन ।
EAFZR-MPS25-12	16.09.25 को 11:30 बजे	लुधियाना रेलवे स्टेशन पर बहुउद्देश्यीय स्टाल (एमपीएस) के लिए अनुबंध का आवंटन ।

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जाएं।

संख्या MC/38015/Pub/E-Auction/FZR/22 तिथि 03.09.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2674/25

भल्ला ने जम्मू के प्रभावित इलाकों का किया दौरा, बचाव, राहत और पुनर्वास उपायों में तेज़ी लाने की माँग की

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। लगातार बारिश और बाढ़ से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के लिए आज यहाँ कांग्रेस मुख्यालय जम्मू में जिला कांग्रेस कमेटी जम्मू शहरी की एक आपात बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला कांग्रेस कमेटी जम्मू शहरी के अध्यक्ष मनमोहन सिंह द्वारा बुलाई गई और इसकी अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने की। इसमें कई वरिष्ठ नेताओं और बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों ने भाग लिया।

स्थिति का जायजा लेते हुए नेताओं ने जम्मू प्रांत के अधिकांश हिस्सों में अभूतपूर्व बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में लोगों के प्रभावित होने, भारी भूस्खलन के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित होने, सामान्य जनजीवन प्रभावित होने और निजी व सार्वजनिक संपत्ति को भारी नुकसान होने पर गहरी चिंता व्यक्त की।

बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू दौरे के बाद भी केंद्र सरकार द्वारा बड़े राहत पैकेज की घोषणा न करने पर कड़ी आपत्ति जताई गई क्योंकि स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित जम्मू में श्री वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों और श्री मचैल माता सहित कई लोगों की जान चली गई।

बैठक में मौसम की स्थिति के बारे में स्पष्ट चेतावनियों और सरकारी सलाह के बावजूद यात्रा के संबंध में अग्रिम निर्णय लेने में अधिकारियों की विफलता की कड़ी आलोचना की गई। सरकार और अधिकारियों ने लोगों को अलर्ट और चेतावनियाँ जारी कीं लेकिन खुद उनका पालन नहीं किया जिससे लोगों को दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस नेताओं ने उच्च न्यायालय के किसी वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष और स्वतंत्र जाँच की आम जनता की माँग की लगातार अनदेखी पर भी कड़ी आपत्ति जताई ताकि ज़िम्मेदारी तय की जा सके और आगे के दिशानिर्देश सुझाए जा सकें। सभा को संबोधित करते हुए रमन भल्ला ने भारत सरकार से वर्तमान स्थिति से प्रभावित प्रत्येक वर्ग के लिए तुरंत एक विशाल राहत और पुनर्वास पैकेज की घोषणा करने का अनुरोध किया और जम्मू–कश्मीर, पंजाब आदि की सबसे बुरी तरह प्रभावित आबादी के लिए सरकार से विशाल राहत पैकेज की अपील करने के लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सराहना की।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU

NOTICE INVITING TENDER

(Short Term)

MHDJ/e-NIT 190 of 2025-26 **Dated: 02.09.2025**
Due : 11.09.2025

On behalf of the President of India, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from registered/reputed firms having sufficient relevant experience for the work mentioned below:

S No	Description of work	Project Authority	Estt	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
1	RESTORATION OF 11TR PACKAGED AIR CONDITIONING UNIT -I OF LABOUR ROOM STAGE-II OF GOVT. SMGS HOSPITAL, JAMMU.	Principal GMCH Jammu	2.41 LACS	Rs 5000.00 in the Shape of CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged to the Executive Engineer MH Division Jammu	Rs 200.00 in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to 0059-PWD (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. OR The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. 0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025	10 days	Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure "C" similar nature of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

DIP/J-5370/25
Dtd: 3-9-2025

Sd/-
(Er. Vishal Mahajan)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Jammu

संपादकीय

अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि केंद्र शासित प्रदेश में कई इमारतें, खासकर पुरानी इमारतें, क्षेत्र में लंबे समय से चल रही भारी बारिश के कारण दबाव में हैं, जिससे विभिन्न सरकारी कार्यालयों और संस्थानों वाली सभी इमारतों का सुरक्षा ऑडिट करना आवश्यक हो गया है। इस संबंध में, कठुआ प्रशासन द्वारा लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिले की सभी सरकारी इमारतों का तत्काल सुरक्षा ऑडिट कराने का निर्णय विवेकपूर्ण प्रतीत होता है क्योंकि किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने का कोई मतलब नहीं है। कठुआ के उपायुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले के संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि स्कूल भवन, स्वास्थ्य संस्थान, कॉलेज भवन, अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) जैसी इमारतें उपयोग में लाने से पहले सुरक्षित हों। उपरोक्त संस्थाओं के जिला प्रमुखों को ऐसी इमारतों के संचालन से पहले सुरक्षा ऑडिट की निगरानी करने के लिए कहा गया है। शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों को भी, क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों (ZEO) के साथ समन्वय में, कक्षाएं फिर से शुरू करने से पहले सुरक्षा जाँच पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, और मुख्य शिक्षा अधिकारी स्कूलों के लिए इस प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज़िले के सभी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र भवनों का ऑडिट सुनिश्चित करने का भी काम सौंपा गया है। इस पहल का उद्देश्य वर्षा से होने वाले संरचनात्मक नुकसान से उत्पन्न होने वाले खतरों को रोककर छात्रों, कर्मचारियों और आम जनता के जीवन की रक्षा करना है। यह ज़रूरी है कि केंद्र शासित प्रदेश के अन्य ज़िलों के प्रशासन, विशेष रूप से हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित ज़िलों के प्रशासन, कठुआ प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णय से प्रेरणा लें और हितधारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह के आदेश जारी करें। यह उल्लेख करना उचित होगा कि केंद्र शासित प्रदेश में भारी वर्षा ने पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और इस वर्ष मानसून के दौरान व्यापक तबाही हुई है। कई ज़िलों में जलाशयों और अन्य स्थानों में खतरनाक जल स्तर बना हुआ है, जिससे कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और किश्तवाड़, कठुआ और रियासी ज़िलों में 100 से अधिक लोगों और पशुओं की जान चली गई है। इस बार केंद्र शासित प्रदेश में जो तबाही देखी गई है, वह अभूतपूर्व है और इसलिए सरकारी भवनों की सुरक्षा ऑडिट जैसे व्यावहारिक कदम उठाना आवश्यक हो गया है।

जंक फूड को ना, पोषण को कहें हां

– योगेश कुमार गोयल

पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है।

1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा।

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से 01 से 07 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2025 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'बेहतर जीवन के लिए सही भोजन करें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने की आदतों के महत्व पर जोर देता है।

दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल, स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है।

पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से 01 से 07 सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है।पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं। अच्छे पोषण का उत्पादकता, आर्थिक विकास तथा अंततः राष्ट्रीय विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है और अच्छा पोषण लोगों को स्वस्थ बनाए रखते हुए स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण भी करता है। इसीलिए नियमित शारीरिक गतिविधियों के साथ अच्छे पोषण को अच्छे स्वास्थ्य की आधारशिला माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोषण का संबंध शरीर की आवश्यकतानुसार आहार के सेवन को माना गया है और कुपोषण को अपर्याप्त या असंतुलित आहार द्वारा खराब पोषण के रूप में परिभाषित किया गया है।

अच्छे पोषण से स्वस्थ बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं लेकिन आज के दूषित खानपान और फास्ट फूड वाली जीवनशैली में कुपोषण खासकर विकासशील देशों की प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। एक अनुमान के अनुसार दुनियाभर में एक तिहाई से भी ज्यादा बच्चों की मृत्यु में कुपोषण का बड़ा योगदान है और पूरी दुनिया में हर तीन कुपोषित बच्चों में से एक भारत में है। भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य खासतौर से 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में सुधार करना था और वर्ष 2022 के अंत तक देश से कुपोषण खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन पोषण अभियान फंड के इस्तेमाल में जिस तरह की उदासीनता देखी जाती रही है, उसे देखते हुए यह लक्ष्य हासिल करना अभी दूर की कौड़ी प्रतीत होता है। नीति आयोग की चौथी प्रगति रिपोर्ट से खुलासा हुआ था कि देश के 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों ने तो इस मद में आधे से भी कम फंड का इस्तेमाल किया। यदि हम वाकई देश को कुपोषण मुक्त राष्ट्र का दर्जा देना चाहते हैं तो उदासीनता की इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना होगा।

हमारे भोजन में रंग और खुशबू देने वाले रासायनिक पदार्थ जैसे कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं, जो पोषक तत्व नहीं होते लेकिन कार्बोज, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज लवण, पानी इत्यादि प्रमुख पोषण तत्व हैं। यदि ये पोषण तत्व हमारे भोजन में उचित मात्रा में विद्यमान न हों, तो हमारा शरीर अस्वस्थ हो जाएगा। भोजन के वे सभी तत्व, जो शरीर में आवश्यक कार्य करते हैं, पोषण तत्व कहलाते हैं। ये आवश्यक तत्व जब हमारे शरीर की आवश्यकतानुसार सही अनुपात में उपस्थित होते हैं, तब उसे सर्वोत्तम पोषण या समुचित पोषण की संज्ञा दी जाती है लेकिन जब पोषक तत्व शरीर में सही अनुपात में विद्यमान नहीं होते या उनके बीच में असंतुलन होता है तो वह कुपोषण कहलाता है यानी अधिक पोषण या कम पोषण दोनों को ही कुपोषण कहा जाता है। कम पोषण का अर्थ है आहार में किसी एक या एक से अधिक पोषण तत्वों की कमी और अधिक पोषण का अर्थ है एक या अधिक पोषक तत्वों की भोजन में अधिकता।

शरीर में पोषक तत्वों की अधिकता और कमी दोनों ही समान रूप से हानिकारक हैं, शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भोजन में उचित मात्रा में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति होनी चाहिए। पोषक तत्वों के संतुलन और असंतुलन को इसी से समझा जा सकता है कि जब कोई व्यक्ति एक दिन में ऊर्जा खपत से अधिक ऊर्जा ग्रहण करता है तो वह वसा के रूप में शरीर में एकत्र हो जाती है, जिससे व्यक्ति मोटापे का शिकार हो सकता है। पौष्टिक भोजन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण आधारशिला है और अच्छे पोषण के लिए जरूरी है कि फास्ट फूड के बजाय घर में बने पारंपरिक और पौष्टिक आहार के सेवन को ही प्राथमिकता दें, मुख्य आहार के स्थान पर स्नैक्स का सेवन करने से बचें, चीनी और अस्वस्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित मात्रा में करें, खाने से पहले फल-सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं और यथासंभव कच्चे फल-सब्जियों का सेवन करें क्योंकि पकाने से कई पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, कम से कम प्रसंस्करण आहार के साथ ताजा भोजन अवश्य करें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिक्षा का अधिकार, सुप्रीम कोर्ट और अल्पसंख्यक संस्थाएं

– डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत का लोकतांत्रिक संविधान नागरिकों को केवल राजनीतिक अधिकार ही नहीं देता, बल्कि उन्हें गरिमामय जीवन जीने की बुनियादी गारंटी भी प्रदान करता है। शिक्षा इस गारंटी की केंद्रीय धुरी है। अनुच्छेद 21ए के तहत छह से चौदह वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान इसीलिए किया गया था ताकि कोई भी बच्चा वर्ग, धर्म या आर्थिक स्थिति के कारण ज्ञान के अवसर से वंचित न रह जाए। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि शिक्षा के इस सार्वभौमिक अधिकार की सबसे मजबूत दीवार को ही वर्षों पहले एक न्यायिक निर्णय ने दरका दिया। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रमति एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ प्रकरण में यह कह दिया गया कि अल्पसंख्यक संस्थान आरटीई अधिनियम से मुक्त रहेंगे। यानी निजी स्कूलों की तरह उन्हें 25 प्रतिशत सीटें वंचित बच्चों के लिए आरक्षित करने की बाध्यता नहीं होगी। देखा जाए तो यह फैसला अपने आप में शिक्षा के अधिकार की सार्वभौमिकता पर प्रश्नचिह्न था।

अब, ग्यारह वर्ष बाद, शीर्ष अदालत ने स्वयं यह महसूस किया है कि उस निर्णय से व्यापक अन्याय हुआ है। 1 सितंबर 2025 को न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने बेहद गंभीर टिप्पणी करते हुए इस मुद्दे को संविधान पीठ के पास भेजने की सिफारिश की है। पीठ ने साफ कहा, यह फैसला अनजाने में अनुच्छेद 21ए के मकसद को कमजोर करता है और समान स्कूल प्रणाली की अवधारणा को चोट पहुँचाता है। आज न्यायालय ने यह भी इंगित किया कि आरटीई केवल सीट आरक्षण भर नहीं है, बल्कि इसके साथ कई आवश्यक प्रावधान जुड़े हैं; बच्चों को मुफ्त यूनिफॉर्म, किताबें, मिड-डे मील, प्रशिक्षित शिक्षक और बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराना। इन सबसे अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट देकर अब तक न जानें कितने लाख बच्चों को इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया गया है।

अभी 2025 तक का इस संबंध में कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, हालांकि सरकारी आँकड़ों (यूडीआईएसई+ 2021-22) के अनुसार, देश में 51,627 अल्पसंख्यक प्रबंधित स्कूल हैं। इनमें मुस्लिम संस्थान; 27,259, ईसाई संस्थान; 15,808, जैन संस्थान; 1,140, बौद्ध संस्थान; 720, पारसी संस्थान;126 और शेष में अन्य शामिल हैं। पिछले तीन साल में इस संख्या में और अधिक इजाफा हुआ है। अनुमान है कि उक्त संख्या 55 हजार तक पहुंच गई होगी। ऐसे में यह स्वभाविक है कि यह संख्या अपने आप में बहुत बड़ी है। जब इतने बड़े हिस्से को आरटीई की बाध्यता से छूट मिल जाए, तो स्पष्ट है कि लाखों वंचित बच्चों को समान शिक्षा का अवसर नहीं मिल पाया । राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने 23,487 अल्पसंख्यक स्कूलों का विश्लेषण किया था। यह रिपोर्ट बताती है कि इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों में केवल 38% विद्यार्थी संबंधित अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, शेष 62% गैर-अल्पसंख्यक। महज 8.76% विद्यार्थी सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं। स्पष्ट है कि अधिकांश अल्पसंख्यक संस्थान अपने ही समुदाय के उत्थान के बजाय शिक्षा को व्यवसाय बना चुके हैं। यदि वे सचमुच अपने वर्ग के बच्चों को प्राथमिकता देते, तो न केवल अपने समुदाय का बड़ा भला करते, बल्कि संविधान की भावना के अनुरूप भी चलते। यहां उदाहरण स्वरूप सबसे छोटा एक आंकड़ा मान लें कि एक औसत स्कूल में 200-300 विद्यार्थी पढ़ते हैं। यदि 25 प्रतिशत सीटें वंचित वर्ग के लिए आरक्षित होतीं, तो प्रति स्कूल लगभग 50 सीटें आरटीई के अंतर्गत आतीं। 51,627 स्कूल म 50 सीटें = लगभग 25.8 लाख सीटें प्रति वर्ष। 2010 से 2025 तक यानी 15 वर्षों में यह संख्या करीब 3.8 करोड़ अवसरों के बराबर है। इस मोटे अनुमान से ही स्पष्ट है कि कितने विशाल पैमाने पर वंचित बच्चों को शिक्षा से अब तक इन स्कूलों द्वारा अल्पसंख्यक के नाम पर वंचित रखा गया! राजस्थान के जयपुर में ही इस साल 2025 में 30,000 बच्चों को आरटीई के तहत दाखिला नहीं मिला, जबकि 80,000 सीटों पर 3.8 लाख आवेदन आए। देश की राजधानी दिल्ली में 2023-24 में 2.09 लाख परिवारों ने 35,000 सीटों के लिए आवेदन किया, लेकिन 6,500 सीटें खाली रह गईं। अहमदाबाद में तीसरे राउंड में भी 6,946 सीटें खाली रहीं, खासकर अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में। दक्षिण कर्नाटक; 2025-26 में 326 सीटों में से केवल 31 भरी गईं। यानी अल्पसंख्यक स्कूलों को यदि ये छूट नहीं दी जाती तो जो बच्चे आरटीई के तहत प्रवेश लेने से वंचित रह गए, उनमें किसी एक को भी वंचित नहीं रहना पड़ता। वस्तुत- यह तो कुछ राज्यों की स्थिति है, इस तरह से प्रत्येक राज्य के आंकड़े को जोड़ा जाएगा तो लाखों बच्चों की संख्या सामने आती है जो हर साल आरटीई के तहत स्कूल प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। यह सब दिखाता है कि समस्या केवल नाम की नहीं, बल्कि व्यावहारिक है, बच्चे अवसर से वंचित हो रहे हैं। यह दिलचस्प तथ्य यह है कि 2009 में आरटीई लागू होने के बाद अल्पसंख्यक संस्थानों की संख्या में अचानक उछाल आया। 2012 तक हर साल लगभग 2000 नए संस्थान अल्पसंख्यक दर्जा लेने लगे। यहाँ तक कि दिल्ली पब्लिक स्कूल, बेंगलुरु जैसी संस्थाओं ने भी इस दर्जे का लाभ उठाने की कोशिश की। यह प्रवृत्ति बताती है कि आरटीई से बचने के लिए अल्पसंख्यक टैग को एक ढाल की तरह इस्तेमाल किया गया। सवाल उठता है, आखिर ये आरटीई से बचने की होड़ क्यों मची है मूल प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा का उद्देश्य वंचित बच्चों को अवसर देना है या केवल मोटा पैसा कमाना जब अल्पसंख्यक संस्थान आरटीई से मुक्त होकर भारी फीस लेते हैं, तो वे न तो अपने वर्ग का उत्थान कर रहे होते हैं और न ही समाज के वंचित वर्ग का। वे केवल शिक्षा को व्यापार बना रहे होते हैं। यदि ये संस्थान केवल अपने समुदाय के गरीब बच्चों को प्रवेश देते, तो लाखों अल्पसंख्यक बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ सकते थे। लेकिन जब ऐसा नहीं किया गया, तो साफ है कि मकसद शिक्षा नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ है। जब वंचित वर्ग के लाखों बच्चे आरटीई सीटों से वंचित रहते हैं, तो इसका असर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता। इसका असर उनके भविष्य, रोजगार, सामाजिक गतिशीलता और लोकतांत्रिक भागीदारी पर पड़ता है। एक ओर समृद्ध वर्ग के बच्चे महंगे निजी या अल्पसंख्यक स्कूलों में पढ़ते हैं, दूसरी ओर गरीब बच्चे सरकारी स्कूलों की कमजोर व्यवस्था में सिमट जाते हैं। यह विभाजन समाज में असमानता की खाई को और चौड़ा करता है। संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 30 के जरिए अल्पसंख्यकों को संस्थान चलाने की स्वतंत्रता दी थी ताकि वे अपनी संस्कृति और पहचान बचा सकें। लेकिन क्या इस स्वतंत्रता का मतलब यह है कि वे बच्चों के बुनियादी अधिकारों से मुकर जाएँ वास्तव में अनुच्छेद 21ए की आत्मा सार्वभौमिकता है। यानी हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार देना है। स्वभाविक है ऐसी स्थिति में हमें अनुच्छेद 30 स्थान पर अनुच्छेद 21ए को ही अधिक महत्व देना होगा। क्योंकि यहां प्रश्न एवं जवाबदेही अपनी पीढ़ियों के निर्माण की है। भारत ने यूनेस्को एजुकेशन फॉर ऑल और सतत विकास लक्ष्य 4 (एसडीजी-4) जैसे वैश्विक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनका लक्ष्य है, 2030 तक हर बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा देना है। ऐसे में फिर स्वभाविक तौर पर अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीई से छूट देना इन अंतरराष्ट्रीय वचनों के भी विपरीत है। अब जबकि सुप्रीम कोर्ट स्वयं इस निर्णय पर पुनर्विचार के लिए तैयार है, तो समय आ गया है कि शिक्षा को फिर से अधिकार की तरह देखा जाए, न कि व्यवसाय की तरह।

अमेरिकी टैरिफ, मजबूत भारत, इक्विटी बाजार की आत्मनिर्भरता और नए बाजार

–डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाए जाने की घोषणा वैश्विक स्तर पर एक बड़ी खबर रही। आम तौर पर ऐसे कदम किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था को गहरे स्तर पर प्रभावित कर सकते हैं। व्यापारिक रिश्तों में तनाव, कंपनियों की आय पर दबाव और विदेशी निवेशकों की सतर्कता, ये सभी ऐसे हालात में सामने आते हैं, किंतु भारतीय इक्विटी बाजार ने इस निर्णय पर जिस संतुलित और आत्मविश्वासी ढंग से प्रतिक्रिया दी है, वह आज की नई आर्थिक हकीकत को सामने लाती है।

इसे देखते हुए यही कहना होगा कि अब भारत केवल बाहरी कारकों पर निर्भर नहीं है, वह अपने भीतर ऐसी ताकतें पैदा कर चुका है जो उसे वैश्विक झटकों से बचाने में सहायक हैं। यही बदलते भारत की कहानी है, एक ऐसा भारत जो निवेशकों के भरोसे से मजबूत है और अपनी घरेलू क्षमता से टिकाऊ वृद्धि की राह पर बढ़ रहा है। वस्तुत- दो सितंबर 2025 को जारी एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की रिपोर्ट में साफ कहा गया कि अमेरिकी टैरिफ का भारतीय इक्विटी बाजार पर कोई बड़ा असर नहीं होगा।

रिपोर्ट के अनुसार बीएसई-500 की सूचीबद्ध कंपनियों में से चार प्रतिशत से भी कम कंपनियाँ अमेरिकी निर्यात पर निर्भर हैं। इसका मतलब है कि व्यापक स्तर पर भारतीय कॉरपोरेट जगत की कमाई पर इन टैरिफ का सीधा प्रभाव न के बराबर है। यही नहीं, फार्मास्यूटिकल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को इन टैरिफ से छूट दी गई है, जिससे भारत की सबसे प्रतिस्पर्धी और वैश्विक स्तर पर सबसे मान्यता प्राप्त उद्योग शाखा सुरक्षित बनी हुई है। स्पष्ट है कि इस कदम से भारतीय बाजार को झटका भले लगा हो, लेकिन उसकी जड़ें हिलाने वाली स्थिति नहीं बनी।

असल में भारतीय इक्विटी बाजार की असली ताकत अब घरेलू निवेशकों की बढ़ती भागीदारी है। पहले विदेशी संस्थागत निवेशक यानी एफआईआई भारतीय बाजार का मूड तय करते थे। उनकी भारी खरीद या बिकवाली से बाजार झूल जाता था।

लेकिन बीते कुछ वर्षों में तस्वीर बदल गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 71.6 अरब डॉलर का निवेश किया, जिसमें से करीब 55 अरब डॉलर सिर्फ म्यूचुअल फंड्स से आए।

दूसरी ओर, विदेशी निवेशकों ने इसी दौरान लगभग 15.6 अरब डॉलर की बिकवाली की। इसके बावजूद बाजार स्थिर बना रहा। जुलाई 2025 में घरेलू म्यूचुअल फंडों में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से 28,464 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश हुआ। यह आँकड़ा दर्शाता है कि भारतीय बचत और निवेश की धाराएँ अब देश के पूँजी बाजार को संभालने में सक्षम हो चुकी हैं। यही कारण है कि अमेरिकी टैरिफ या विदेशी निवेशकों की बिकवाली का असर सीमित रहा।

यहां रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारतीय बाजार के लिए नौ में से पाँच प्रमुख जोखिम कारकों में सुधार हो रहा है।

इनमें मुद्रास्फीति का थमना, सरकारी कर प्रोत्साहन, उपभोग की संभावनाओं में बढ़ोत्तरी और वेतन वृद्धि की उम्मीदें शामिल हैं। मुद्रास्फीति का थमना सबसे अहम है, क्योंकि यह सीधे उपभोक्ता की क्रय शक्ति को बढ़ाता है। जब रोजमर्रा की जरूरतों पर खर्च कम होता है, तो उपभोक्ता अन्य वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च कर सकता है। इससे खपत बढ़ती है और कंपनियों की बिक्री तथा मुनाफे पर सकारात्मक असर पड़ता है। हालाँकि एचएसबीसी ने यह भी चेतावनी दी है कि 2025 में आय वृद्धि घटकर 8-9 प्रतिशत रह सकती है, जबकि कैलेंडर वर्ष के लिए यह अनुमान 11 प्रतिशत का है। यह विरोधाभासी तस्वीर बताती है कि चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं।

टैरिफ का असर वास्तव में कितना बड़ा है, इसे समझने के लिए आँकड़ों पर नजर डालना आवश्यक है। भारत का अमेरिकी निर्यात लगभग 81 अरब डॉलर का है, जो सकल घरेलू उत्पाद का करीब 2.1 प्रतिशत है। अतिरिक्त टैरिफ का असर जीडीपी वृद्धि पर लगभग 0.3 प्रतिशत अंक तक हो सकता है। यह निश्चित रूप से अप्रिय है लेकिन किसी बड़ी तबाही जैसा नहीं।

इसका सबसे अधिक दबाव टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी और समुद्री उत्पाद जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर होगा। ये क्षेत्र न केवल निर्यातक हैं बल्कि बड़ी संख्या में रोजगार भी प्रदान करते हैं। इसलिए वहाँ पर चिंताएँ अधिक गंभीर हैं। इसके विपरीत, फार्मा और स्मार्टफोन जैसे सेक्टर को छूट मिलने से यह स्पष्ट है कि अमेरिका की नीति पूरी तरह से व्यापक नहीं है, बल्कि 卐सर्जिकल卐 है, जहाँ दबाव डालना है वहाँ टैरिफ लगाया गया और जहाँ अमेरिका की अपनी सप्लाई-चेन निर्भर है, वहाँ राहत दी गई।

यदि व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह पूरी स्थिति भारत के आर्थिक लचीलेपन को दर्शाती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विकास दर 2025 और 2026 दोनों वर्षों के लिए 6.4 प्रतिशत आँकी है। विश्व बैंक ने भारत को ''सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था'' करार दिया है। मूडीज़ और एसएंडपी जैसी रेटिंग एजेंसियों ने भी भारत की साख को स्थिर बनाए रखा है। ये सभी टिप्पणियाँ इस बात का संकेत हैं कि वैश्विक संस्थाएँ भारत को अब एक विश्वसनीय और दीर्घकालिक निवेश गंतव्य मानती हैं।

भारतीय इक्विटी बाजार की तुलना अगर चीन से की जाए तो एक दिलचस्प समानता सामने आती है। चीन का बाजार भी स्थानीय निवेशकों से संचालित है और वहाँ भी विदेशी भागीदारी सीमित है। लेकिन चीन की नीतिगत अपारदर्शिता और भू-राजनीतिक जोखिमों ने विदेशी निवेशकों को सतर्क बना दिया है। इसके विपरीत, भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, पारदर्शी नीतियाँ और आईटी तथा सेवाक्षेत्र की बढ़त उसे निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाती हैं। यही कारण है कि एचएसबीसी ने भी माना कि भारतीय और चीनी दोनों बाजार एक साथ अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन भारत की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत है।

अमेरिकी टैरिफ या किसी भी बाहरी दबाव के बीच भारत की यह मजबूती केवल आर्थिक कहानी नहीं है। यह उस आत्मनिर्भरता की ओर इशारा है जिसकी चर्चा पिछले कुछ वर्षों से लगातार होती रही है। सरकार की प्रोत्साहन योजनाएँ, डिजिटल और हरित ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम और घरेलू निवेशकों का भरोसा मिलकर भारत को एक नई आर्थिक स्थिरता दे रहे हैं। फिर भी आज की सच्चाई यही है कि भारतीय इक्विटी बाजार अब वैश्विक झटकों का केवल शिकार नहीं रहा।

वस्तुत- कहना होगा कि अमेरिकी टैरिफ इसका हालिया उदाहरण है। इस निर्णय ने भारत के बाजार को हिलाया नहीं, बल्कि उसकी लचीलापन और आत्मनिर्भरता को और उजागर किया है। निवेशकों का भरोसा, बचतों की मजबूत धारा और नीतिगत स्थिरता भारत को उस मुकाम पर पहुँचा रही है जहाँ वह वैश्विक ताकतों की चालों से डरने के बजाय अपने दम पर आगे बढ़ सकता है। इसके साथ ही इस नई चुनौती का सामना करने के लिए मोदी सरकार ने विश्व के नए 40 बाजार और खोज लिए हैं, जल्द ही यहां भारतीय माल की खपत आरंभ कर दी जाएगी, स्वभाविक है कि इससे जो रोजगार पैदा होंगे वह वर्तमान से बहुत अधिक होंगे। वास्तव में यही ''मज़बूत भारत'' की असली झलक है, जो आने वाली चुनौतियों को एक अवसर के रूप में स्वीकार्य करता है।

दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को पहले वनडे में 7 विकेट से हराया, महाराज और मार्करम चमके

एजेंसी

लीड्स (हेडिंग्ले)। तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर धमाकेदार शुरुआत की। मेजबान इंग्लैंड की टीम महज 131 रन पर सिमट गई, जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवर में 137/3 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ (54 रन) ने बनाए। हालांकि अन्य बल्लेबाज पूरी तरह नाकाम रहे और कप्तान हैरी ब्रूक रन-आउट होकर पवेलियन लौटे। यह पहला मौका रहा जब हेडिंग्ले में कोई इंग्लिश कप्तान वनडे में रन-आउट हुआ। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। केशव महाराज ने 22 रन देकर 4 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए। उनके साथ तेज गेंदबाजों ने भी इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त करने में अहम भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम ने आक्रामक अंदाज में 55 गेंदों पर 86 रन ठोक दिए। उनके साथ रियान रिकल्टन (नाबाद 31) ने भी उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को जीत की ओर पहुंचाया। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है, जबकि इंग्लैंड को अगले मुकाबले में वापसी के दबाव का सामना करना होगा।

अयोध्या में प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता 8 से 17 सितंबर तक

मुरादाबाद। मुरादाबाद के जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता 8 सितंबर से 17 सितंबर तक अयोध्या में अयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाली मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन ट्रायल के माध्यम से होगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने आगे बताया कि मुरादाबाद के रामगंगा विहार स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तर पर ट्रायल 4 सितंबर को और मंडल स्तर के लिए ट्रायल 6 सितंबर को आयोजित होगा। दोनों ही ट्रायल सुबह 11 बजे से प्रारंभ होंगे। इसलिए खिलाड़ियों को समय से पहुंचना अनिवार्य है।

महाआर्यमन सिंधिया निर्विरोध चुने गए एमपीसीए के अध्यक्ष, पिता ज्योतिरादित्य से मिला आशीर्वाद

इंदौर। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र महाआर्यमन सिंधिया मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। उनके साथ पूरी कार्यकारिणी का चुनाव भी निर्विरोध हुआ है। एमपीसीए की वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) इंदौर के होलकर स्टेडियम में हुई। इसमें नई कार्यकारिणी चुने जाने की घोषणा की गई। बैठक में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे। 29 वर्षीय महाआर्यमन एमपीसीए के 68 साल के इतिहास में सबसे युवा अध्यक्ष हैं। एमपीसीए की कार्यकारिणी में विनीत सेठिया उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं, जबकि सुधीर असनानी को सचिव, संजय दुआ को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा संध्या अग्रवाल, राजीव शिरोडकर, प्रसुन कनमड़ीकर, विजेस राणा और अरुंधती किरकिरे को निर्विरोध सदस्य बनाया गया है। अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर महाआर्यमन ने कहा कि मैं मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए मुझ पर भरोसा जताया। मेरे एमपीसीए अध्यक्ष बनने पर पिता के साथ मां भी बहुत खुश हैं। उन्होंने मुझे ग्राउंड लेवल पर लोगों के साथ जुड़कर काम करना और अकेले कभी भी निर्णय नहीं लेना सिखाया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन की पिछली कार्यकारिणी ने भी अच्छा कार्य किया और मेरा प्रयास होगा कि उन्हीं कार्यों को आगे ले जाते हुए मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन को नई ऊंचाइयों ले जाऊंगा।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से लिया संन्यास

नई दिल्ली। अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट और एकदिवसीय प्रारूप में अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। ऑस्ट्रेलिया की लंबे समय से चली आ रही तेज गेंदबाजी तिकड़ी के दो सदस्य, स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, 1 अक्टूबर से न्यूजीलैंड में शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए घोषित राष्ट्रीय टी20 टीम में शामिल नहीं थे। कमिंस को पिछले महीने कैरेबियाई दौरे के बाद से आराम दिया गया है और उन्हें पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत है, जिससे नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला के लिए उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 79 विकेट लेने वाले 35 वर्षीय स्टार्क ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और उन्हें अगले दो वर्षों में एक गहन अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए तैयारी करने की आवश्यकता है। स्टार्क अगले वर्ष भारत में होने वाली एशेज और टेस्ट श्रृंखला तथा 2027 में होने वाले अगले एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट होना चाहते हैं।

त्रिकोणीय टी-20 सीरीज: अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हराया, इब्राहिम, अतल ने लगाया अर्धशतक

एजेंसी

शारजाह। शारजाह में खेले जा रहे त्रिकोणीय टी-20 सीरीज़ के तहत रात खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 18 रन से हरा दिया। श्रृंखला में तीसरी टीम यूएई की है। अफगानिस्तान की जीत के नायक रहे इब्राहिम ज़ादरान (65) और सिदीकुल्लाह अतल (64), जिन्होंने शानदार अर्धशतक जमाए। इसके बाद गेंदबाज़ों ने सामूहिक प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान की पारी को दबाव में रखा। पाकिस्तान की ओर से फ़हीम अशरफ़ (4/27) सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रहमानुल्लाह गुरबाज़ 8 रन बनाकर सैम अयूब का शिकार बने। इसके बाद अतल और इब्राहिम ने पारी

संभाली और कई शानदार शॉट्स लगाए। दोनों ने नौवें ओवर में 50 रनों की साझेदारी पूरी की। 14वें ओवर में सूफ़ियान मुकीम के खिलाफ 20 रन लेकर मैच का रुख पलट दिया। इसी ओवर में अतल ने अपना दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया। दोनों के बीच 113 रनों की साझेदारी हुई। अशरफ़ ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए इब्राहिम, उमरज़ई और करीम जन्नत को आउट किया। हालांकि, मोहम्मद नबी ने तेज़ पारी खेलकर अफगानिस्तान को 169/5 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। साहिबज़ादा फ़रहान ने छक्का जड़ा, लेकिन दूसरे छोर से सैम अयूब पहली ही गेंद पर फ़ज़लहक़ फ़ारूकी के शिकार हो गए। फ़खर ज़मान और फ़रहान ने रनगति तेज की, मगर जल्द ही दोनों आउट हो गए। सलमान अली आगा के रन-आउट होने से पाकिस्तान पर दबाव और बढ़ गया। इसके बाद अफगान गेंदबाज़ों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटके। नूर अहमद और मोहम्मद नबी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि राशिद खान ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर पाकिस्तान की उम्मीदें पूरी तरह तोड़ दीं। आखिर में हारिस रऊफ़ ने चार छक्के लगाकर थोड़ी चमक जरूर बिखेरी, लेकिन पाकिस्तान 20 ओवर में 151/9 तक ही पहुंच सका।

यूएस ओपन 2025: जोकोविच ने फ्रिट्ज़ को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में 38 वर्षीय नोवाक जोकोविच ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ को 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज से होगा।

फ्रिट्ज़ के खिलाफ अपने अब तक के सभी 10 मुकाबले जीत चुके जोकोविच को इस बार भी कड़ी टक्कर मिली। पहले सेट में उन्होंने नौवें गेम में पांच ब्रेक प्वॉइंट बचाते हुए बढ़त बनाई और फिर दमदार क्रॉसकोर्ट शॉट के साथ दूसरा सेट भी अपने नाम किया।

हालांकि चौथे सीड फ्रिट्ज़ ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने पक्ष में किया और घरेलू दर्शकों में उम्मीद जगाई। लेकिन जोकोविच ने अपनी लय वापस हासिल करते हुए चौथे सेट में 5-4 की बढ़त बनाई और आखिरकार मैच को अपने नाम कर लिया।इस जीत के साथ जोकोविच का यूएस ओपन में अमेरिकी खिलाड़ियों के खिलाफ अपराजेय रिकॉर्ड 16-0 हो गया है। अब वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।

पीकेएल 12: दबंग दिल्ली केसी ने बेंगलुरू बुल्स को 41-34 से हराया, आशू मलिक का सुपर शो

एजेंसी

विशाखापट्टनम। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के नौवें मुकाबले में दबंग दिल्ली केसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंगलुरू बुल्स को 41-34 के अंतर से मात दी। इस जीत के साथ दिल्ली ने सीजन का विजयी आगाज किया, जबकि बुल्स को लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी। दिल्ली के स्टार रेडर आशू मलिक ने 15 अंक जुटाकर मैच के हीरो बने। उनके अलावा नीरज नरवाल ने 7 अंक, जबकि डिफेंस में फजल अतराचली और सौरव नांदल ने 3-3 अंक का योगदान दिया। शुरुआती मिनटों से ही दिल्ली ने दबदबा बनाया। तीसरे मिनट में डू ऑर डाई रेड पर आकाश को आउट करने के बाद पांचवें मिनट में आशू ने सुपर रेड कर स्कोर 6-1 कर दिया और बुल्स को आलआउट की ओर धकेल दिया। हाफटाइम तक दिल्ली 21-11 की लीड पर थी। बेंगलुरू बुल्स के लिए अलीरेजा मीरजाइन ने 10 अंक और आकाश मलिक ने 8 अंक जुटाए, लेकिन आकाश शिंदे निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 3 अंक ही ला

सके। ब्रेक के बाद भी आशू का जलवा जारी रहा। उन्होंने दूसरी मल्टी-पॉइंट रेड के साथ बुल्स की उम्मीदों को तोड़ दिया। हालांकि बुल्स ने कुछ सुपर टैकल करते हुए स्कोर कम करने की कोशिश की और एक बार दिल्ली को आलआउट भी किया, लेकिन बड़ा अंतर पाटना मुश्किल साबित हुआ मैच के अंतिम पांच मिनटों में बुल्स ने सुपर टैकल और आलआउट कर वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। नीरज और गणेश की रेड ने दिल्ली की बढ़त बरकरार रखी। अंत में दिल्ली ने 41-34 से जीत हासिल कर अंकतालिका में अपना खाता खोला, जबकि बुल्स को सीजन में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

कोच नवीन कुमार को युवा बंगाल वॉरियर्ज़ पर भरोसा, पुणेरी पलटन से मुकाबले को तैयार

एजेंसी

विशाखापट्टनम। डिफेंडिंग चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स पर शानदार जीत के बाद बंगाल वॉरियर्ज़ अब प्रो कबड्डी लीग सीज़न 12 के अगले मुकाबले में पुणेरी पलटन की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। पिछले मैच में 54-44 की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद वॉरियर्ज़ ने तुरंत अभ्यास पर लौटकर अगली भिड़ंत की तैयारियां शुरू कर दीं। टीम के माहौल पर बात करते हुए कोच नवीन कुमार ने कहा, 'जीत के बाद खिलाड़ी उत्साहित थे, लेकिन हमने उन्हें शांत किया, ताकि वे अगले लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। हमारी ट्रेनिंग सेशन शानदार रहे हैं और टीम में सकारात्मक ऊर्जा है। हमने कॉम्बिनेशन पर काम किया और उन कमजोरियों पर चर्चा की जिन्हें सुधारना है।' कोच नवीन कुमार ने टीम की मानसिकता पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, हमारी मानसिकता काफी मज़बूत है। चूंकि हमारी टीम युवा है, इसलिए उनमें योद्धा जैसा

जज़्बा पैदा करना ज़रूरी है ताकि वे किसी भी प्रतिद्वंद्वी से न डरें और पूरी तरह अनुशासित व केंद्रित रहें। यह लंबा और कठिन सीज़न होगा, लेकिन टीम में विश्वास है कि हम अपनी पूरी क्षमता हासिल करेंगे। यह नवीन कुमार का बंगाल वॉरियर्ज़ के साथ पहला सीज़न है और उन्होंने प्रबंधन व सपोर्ट स्टाफ का आभार जताया, बंगाल वॉरियर्ज़ मैनेजमेंट ने मुझे फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता दी है और टीम की सभी ज़रूरतों का ध्यान रखा है। उनका पूरा सहयोग मिला है और हम मिलकर खिलाड़ियों के विकास पर काम कर रहे हैं। पिछले सीज़न में दोनों टीमों के बीच दो बार भिड़ंत हुई थी, जिसमें बंगाल वॉरियर्ज़ को एक ड्रॉ और एक हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, इस बार टीम युवा और नए संयोजन के साथ मैदान में उतरेगी। स्टार रेडर देवांक दलाल टीम की कमान संभाल रहे हैं, जबकि डिफेंस की जिम्मेदारी कप्तान नितेश कुमार पर है। पुणेरी पलटन की ताकत पर बोलते हुए कोच नवीन कुमार ने कहा, पुणेरी पलटन एक मज़बूत टीम है। उनकी डिफेंस लाइन पिछले सीज़न में बेहतरीन थी और अब असलम इनामदार के जुड़ने से उनकी टीम और मज़बूत हो गई है। वे कठिन प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन हमारी टीम युवा और प्रेरित है। खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमारा प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज़ खान पर डोपिंग के कारण 6 साल का बैन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मिडिल डिस्टेंस धावक परवेज़ खान को डोपिंग में पकड़े जाने और 12 महीने के भीतर तीन डोप टेस्ट मिस करने के चलते 6 साल का प्रतिबंध झेलना होगा। पिछले साल परवेज़ ने अमेरिकी कॉलेजिएट एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था, लेकिन इसके तुरंत बाद पंचकूला (हरियाणा) में आयोजित नेशनल इंटर-स्टेट चैम्पियनशिप में उनके सैंपल में प्रतिबंधित दवा एरिथ्रोपोएटिन (ईपीओ) पाई गई। इसके बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

ईपीओ एक ऐसी दवा है जो लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाती है और एथलीट्स की स्टैमिना बढ़ाने के लिए डोपिंग में इस्तेमाल की जाती है। मेडिकल क्षेत्र में इसका उपयोग कैंसर रोगियों के इलाज में किया जाता है।

परवेज़ ने सैंपल क्रकी जांच नहीं

करवाई और सैंपल की रिपोर्ट को ही स्वीकार कर लिया। इस अपराध के लिए सामान्य तौर पर 4 साल का प्रतिबंध लगता है। लेकिन इसके अलावा उन्होंने 12 मई, 10 जुलाई और 5 दिसंबर 2023 को तीन डोप टेस्ट भी मिस किए, जो अपने आप में दो साल का बैन लाता है। नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) की एंटी-डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल (एडीडीपी) ने 6 अगस्त को दिए फैसले में कहा, खिलाड़ी का सैंपल ईपीओ पॉजिटिव पाया गया है। साथ ही उसने 12 महीने की अवधि में एक और एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन किया है। इसलिए दोनों उल्लंघनों की सजा मिलाकर प्रतिबंध की अवधि 6 साल तय की जाती है। यह प्रतिबंध 28 अगस्त 2024 से लागू माना जाएगा, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था। इस दौरान 27 जून 2024 के बाद उनके सभी प्रतिस्पर्धी परिणाम रद्द कर दिए जाएंगे और जीते हुए पदक, अंक व पुरस्कार वापस लेने होंगे।

अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई एडीडीपी की ताज़ा सूची में अन्य खिलाड़ियों को भी डोपिंग के चलते बैन किया गया है, जिनमें

सुम्मी (क्वार्टरमाइलर, हरियाणा) - 2 साल का बैन (14 अक्टूबर 2024 से), रेशमा दत्ता केवटे - 4 साल का बैन, श्रीराग ए.एस. - 5 साल का बैन, अनिरुद्ध अरविंद (रेसिंग कार ड्राइवर, चेन्नई) - 3 महीने का बैन (22 अगस्त से), रोहित चमोली (मुक्केबाज़, एशियन जूनियर गोल्ड मेडलिस्ट 2021) - 2 साल का बैन (23 अगस्त से),

दीपक सिंह (वेटलिफ्टिंग) - 4 साल का बैन (25 सितंबर 2024 से), सिमरनजीत कौर (वेटलिफ्टिंग) - 5 साल का बैन (22 अगस्त से), अर्जु (रेसलिंग) - 4 साल का बैन (11 जून 2024 से), मोहित नांदल (कबड्डी) - 4 साल का बैन (14 अगस्त से) शामिल हैं।

पीकेएल-12: जयपुर पिंक पैंथर्स ने पटना पाइरेट्स को रोमांचक मुकाबले में 39-36 से हराया

एजेंसी

विशाखापट्टनम। प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 10वें मैच में दो बार के चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स ने तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को 39-36 से हराकर सीजन की विजयी शुरुआत की। वहीं पटना को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। जयपुर की जीत में

नितिन धनखड़ ने 13 अंक जुटाकर अहम भूमिका निभाई। अली समाधी ने 8 अंक का योगदान दिया। शुरुआती मिनटों में ही जयपुर ने बढ़त बना ली और 14-9 की लीड के साथ पटना को ऑलआउट किया। हाफटाइम तक जयपुर 21-16 से आगे था। पटना के लिए मनिंदर सिंह ने शानदार खेल दिखाते हुए 15 अंक हासिल किए, जबकि सुधाकर ने 9 अंक जुटाए। दूसरे हाफ में पटना ने वापसी की कोशिश की और फासला सिर्फ 2 अंकों तक ला दिया, लेकिन अयान (6 अंक) के उम्मीदों पर खरा न उतरने से टीम को नुकसान हुआ। अंतिम दो मिनटों में पटना ने सुपर टैकल और मल्टीपॉइंट रेड के जरिए अंतर कम किया, लेकिन जयपुर ने समझदारी से खेलते हुए तीन अंकों की लीड बनाए रखी। आखिरी रेड पर नितिन ने समय निकालकर जीत सुनिश्चित की। जयपुर ने 39-36 से जीत दर्ज कर अंकतालिका में पहला खाता खोला।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप स्पर्धा में शिवराम ने जीता गोल्ड

एजेंसी

धमतरी। ग्वालियर में आयोजित 14 वीं जूनियर एवं सब जूनियर राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप स्पर्धा में जिले के एकमात्र पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ी शिवराम साहू (शिवा) 1500 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीतने के बाद दो सितंबर को धमतरी पहुंचे। इस दौरान शहर के बस स्टैंड में खेल प्रशिक्षकों ने उनका स्वागत किया।

इसके बाद नत्थूजी जगताप स्कूल में भी सम्मान किया गया। पैरालंपिक कमेटी आफ इंडिया द्वारा 14 वीं जूनियर एवं सब जूनियर राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 29 से 31 अगस्त तक ग्वालियर मध्यप्रदेश में किया गया। जिसमें धमतरी जिले के एकमात्र पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ी

शिवराम साहू (शिवा) ने शामिल होकर 17 वर्ष से कम आयु वर्ग में 400 मीटर और 1500 मीटर दौड़ स्पर्धा में शामिल होकर अपना उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। जिसमें 1500 मीटर दौड़ में शिवा ने गोल्ड मेडल जीतकर परिवार, समाज, जिले और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। शिवा वर्तमान में शासकीय नत्थूजी जगताप नगर पालिक निगम उमावि में कक्षा 11 वीं का छात्र है। बस स्टैंड में कुश्ती प्रशिक्षक लक्ष्मण साहू पहलवान, पावर लिफ्टर खिलाड़ी देवेंद्र यादव, हरीश कुमार सिन्हा, राहुल चौरे, व्यायाम शिक्षक गिरीश गजपाल, एथलेटिक्स प्रशिक्षक टिक्की निर्मलकर, राष्ट्रीय खिलाड़ी रितेश साहू ने अभिनंदन किया। मालूम हो कि शिवराम कक्षा दूसरी में थे तब खेलते - खेलते उनका दाहिना हाथ सरसों तेल की मशीन में फंस गया था। इसके बाद वो दिव्यांग हो गए। इसके बावजूद हिम्मत नहीं हारी और फुटबाल खेलते रहे। दो साल तक फुटबाल खेलने के बाद लगा कि शरीर का साथ नहीं मिल रहा। फिर फुटबाल खेलना छोड़ दिया।

शिकोहाबाद के प्रतीक बने राज्य स्नूकर चैम्पियनशिप के विजेता

एजेंसी

प्रयागराज। शिकोहाबाद के प्रतीक चौधरी ने लखनऊ के आयुष मित्तल को 6-2 से हराकर राजा राम कुमार भार्गव स्मृति 6 रेड उत्तर प्रदेश राज्य स्नूकर चैम्पियनशिप में विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स एवं स्नूकर एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रयागराज क्यू स्पोर्ट्स एसोसिएशन (पीसीएसए) की ओर से हेस्टिंग रोड स्थित बैज बॉल स्नूकर अकादमी में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में आयुष ने पहले फ्रेम 67-0 से जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद प्रतीक ने संयम से खेलते हुए मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अगले पांच फ्रेम में 36-9, 40-5, 62-24, 34-8 और 44-34 से जीत करके साथ ही मुकाबले को एकतरफा करते हुए 6-1 की बढ़त हासिल कर ली। सातवें फ्रेम में आयुष ने एक बार फिर सूझ-बूझ का परिचय देते हुए प्रतीक को 45-7 से हराकर स्कोर को 6-2 पर पहुंचा दिया। आठवें फ्रेम में प्रतीक ने 30-1 बाजी मारकर मुकाबले को 6-2 से अपने नाम कर लिया। इसके पूर्व सेमीफाइनल में आयुष मित्तल ने लखनऊ के ही अक्षय कुमार को 6-2 से और प्रतीक चौधरी ने गत विजेता प्रयागराज के विनायक अग्रवाल को कांटे के मुकाबले में 6-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

मुख्य अतिथि यूपीबीएसए के अध्यक्ष कुश भार्गव ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ी को ट्रॉफी प्रदान की। यूपीबीएसए के सचिव विवेक अग्रवाल, नितिन कोहली एवं वर्तमान राष्ट्रीय स्नूकर चैम्पियन पारस गुप्ता विशिष्ट अतिथि रहे। पीसीएसए के अध्यक्ष अली बख्त एवं सचिव विनायक अग्रवाल ने अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। संयुक्त सचिव सृजन सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित एवं उपाध्यक्ष सागर खोबाल और कार्यकारी सदस्य सत्यांग सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। मुख्य अतिथि ने घोषणा की कि आगामी यूपी स्टेट 15 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप 2025 भी पीसीएसए की ओर से प्रयागराज में आयोजित की जाएगी।

प्राइम वॉलीबॉल लीग ने सीजन 4 का शेड्यूल जारी किया, 26 अक्टूबर को होगा फाइनल मुकाबला

एजेंसी

हैदराबाद। प्राइम वॉलीबॉल लीग ने अपने सीजन 4 के मुकाबलों का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह सीजन 2 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक खेला जाएगा। लीग की शुरुआत मेजबान टीम हैदराबाद ब्लैक हॉक्स और सीजन 3 की चैंपियन टीम कालीकट हीरोज के बीच होने वाले मुकाबले से होगी। 26 अक्टूबर को फाइनल मुकाबले के साथ सीजन का समापन होगा। इस बार लीग में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें नई टीम गोवा गार्डियन्स का भी नाम जुड़ गया है। यह अब तक लीग का सबसे बड़ा संस्करण होगा। टीमों को पांच-पांच के दो पूल में बांटा गया है। कुल 38 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 35 लीग चरण के होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल की चार और दूसरे पूल की तीन टीमों के खिलाफ खेलेगी। लीग चरण के अंत में अंकों के आधार पर शीर्ष चार टीमें (पूल की परवाह किए बिना) सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। बेसलाइन वेंचर्स के प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक तुहिन मिश्रा ने कहा, सीजन 4 अब तक का हमारा सबसे बड़ा सीजन है। गोवा गार्डियन्स के जुड़ने से अब लीग में दस दमदार टीमें, अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और बड़ा फैन बेस है। स्कैपिया के साथ साझेदारी में हम वॉलीबॉल के स्तर को भारत में और ऊपर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

हॉकी हीरो एशिया कप में भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 15-0 से हराया, पूल ए में शीर्ष स्थान पर बनायी जगह

एजेंसी

नालंदा,बिहारशरीफ। बिहार के राजगीर में चल रहे हीरो एशिया कप हॉकी 2025 का रोमांच अब और भी बढ़ गया है। टूर्नामेंट के चौथे दिन आजभारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कजाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। इस दौरान तीन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाई है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हीरो एशिया कप के अपने अंतिम पूल ए मैच में गोलों की बरसात कर दी। भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 15-0 से हरा दिया। इस दौरान भारत के तीन खिलाड़ियों ने हैट्रिक जमाई। राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत की ओर से अभिषेक (5, 8, 20, 59), सुखजीत सिंह (15, 32, 38) और जगराज सिंह (24, 31, 47) ने हैट्रिक पूरी की। वहीं कप्तान हरमनप्रीत सिंह (26), अमित रोहिदास (29), संजय (54), दिलप्रीत सिंह (55) और राजिंदर सिंह (32) भी गोल करने में सफल रहे। भारत पहले ही सुपर-4 चरण के लिए क्वालीफाई कर चुका था और तीनों मैच जीतकर पूल ए में शीर्ष स्थान पर रहा। भारत

की शुरुआत आक्रामक रही। कजाकिस्तान ने शुरुआती दबाव झेलने की कोशिश की, लेकिन 5वें मिनट में अभिषेक ने सर्कल के बाहर से जोरदार हिट लगाकर भारत को बढ़त दिला दी।

8वें मिनट में अभिषेक ने दूसरा गोल दागा। पहले क्वार्टर के अंत में कप्तान हरमनप्रीत का पेनल्टी कॉर्नर रोका गया, लेकिन तुरंत बाद अभिषेक ने सुखजीत (15) को असिस्ट किया और भारत 3-0 से आगे हो गया। बात दूसरे क्वार्टर की करें, तो भारत का दबदबा दूसरे क्वार्टर में भी जारी रहा। 20वें मिनट में अभिषेक ने शानदार कौशल दिखाते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। कजाकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उसे विफल किया और खेल के 24वें मिनट में जगराज ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, फिर 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत ने भी स्कोर किया। 29वें मिनट में अमित रोहिदास ने गोल दागा। भारत हाफ टाइम तक 7-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भारत के लिए पेनल्टी स्ट्रोक से हुई, जिसे जगराज (31) ने गोल में बदल दिया।अगले ही पल मंदीप की शानदार रन ने राजिंदर सिंह (32) को गोल करने का मौका दिया। इसके बाद सुखजीत (32) ने स्कोर 10-0 कर दिया। 38वें मिनट में सुखजीत ने अपनी हैट्रिक पूरी की। तीसरे क्वार्टर तक भारत 11-0 से आगे रहा। चौथे क्वार्टर में जगराज (47) ने एक और पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। अंतिम मिनटों में संजय (54), दिलप्रीत (55) और अभिषेक (59) ने भी गोल दागे और भारत ने 15-0 से शानदार जीत दर्ज की।

'भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी है बातचीत' : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे, तनाव कम कम होता जाएगा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 20वें वैश्विक स्थायित्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उनका यह बयान ट्रंप प्रशासन के नई दिल्ली की रूसी तेल की निरंतर खरीद के जवाब में भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना करने के कुछ ही दिनों बाद आया है। गोयल ने कहा, हम बीटीए के लिए अमेरिका के साथ वार्ता कर रहे हैं। भारत और अमेरिका मार्च से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। 27 अगस्त से 50 फीसदी शुल्क लगाए जाने के बाद अमेरिकी दल ने अगले दौर की वार्ता के लिए भारत का अपना दौरा स्थगित कर दिया है, जो 25 अगस्त से शुरू होने वाली थी। अभी तक छठे दौर की वार्ता के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है। गोयल ने कहा कि भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ब्रिटेन और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे: वित्त मंत्री

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार 'पूरी तरह' अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे। इससे अनुपालन का बोझ और कम होगा और छोटे व्यवसायों को लाभ होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री आज तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। सीतारमण ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, 56 करोड़ से ज्?यादा जन-धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। उन्?होंने कहा कि इनमें से 67 फीसदी खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, जिसमें 56 फीसदी खाते महिलाओं के पास हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक खाता सिर्फ एक पासबुक नहीं है, बल्कि ये अवसरों का पासपोर्ट है, जो ऋण, बचत, बीमा और सम्मान तक पहुंच को सक्षम बनाता है। सीतारमण ने कहा कि भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में भारी सुधार दर्ज किया है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में कमी आई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गोवा में ईडी के छापे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामलों की जांच के सिलसिले में दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गोवा में छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 'अरविंद रेमेडीज' कंपनी और उसके प्रवर्तक अरविंद बी. शाह के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत तमिलनाडु के चेन्नई और कांचीपुरम, कोलकाता और गोवा के कुछ परिसरों पर छापेमारी की गई। एक अन्य मामले में ईडी ने 'गुप्ता एक्जिम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी के खिलाफ जांच के तहत कुल 10 ठिकानों (दिल्ली में नौ और पुणे में एक) जगह पर छापे मारे हैं। जानकारी के मुताबिक ईडी की ये छापेमारी जुलाई, 2021 के धन शोधन मामले से जुड़ी है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले को लेकर अक्टूबर, 2016 में एक प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें कंपनी और उसके प्रवर्तक पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह से करीब 637 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है।

'अकाउंट एग्रीगेटर' इकोसिस्टम औपचारिक ऋण पहुंच में नए आयाम खोलेगा वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय 'अकाउंट एग्रीगेटर' परिवेश औपचारिक ऋण पहुंच में विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) एवं व्यक्तिगत ऋण के लिए नए आयाम खोलने के लिए तैयार है। ये 2047 तक विकसित भारत की दिशा में भारत की यात्रा में सार्थक योगदान देगा। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अकाउंट एग्रीगेटर (एए) फ्रेमवर्क आधिकारिक तौर पर 2 सितंबर, 2021 को लॉन्च किया गया, जिसने वित्तीय डेटा साझा करने के लिए एक सुरक्षित, सहमति-आधारित प्रणाली स्थापित की। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने 2016 में 'एए' पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मास्टर दिशा-निर्देश जारी किए थे। मंत्रालय ने चौथी वर्षगांठ पर कहा कि एए पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से विकसित हुआ है। बैंकिंग, प्रतिभूति, बीमा और पेंशन क्षेत्रों में इसे तेज़ी से अपनाया जा रहा है, जिससे भारत का डीपीआई (डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना) मज़बूत हो रहा है।

मौरी टेक और पेस डिजिटेक सहित 5 कंपनियों के आईपीओ को सेबी ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 5 कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। इन कंपनियों में मौरी टेक लिमिटेड, पेस डिजिटेक लिमिटेड, ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स लिमिटेड, केएसएच इंटरनेशनल लिमिटेड और प्रायोरिटी ज्वेल्स लिमिटेड शामिल है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने जारी एक अपडेट में बताया कि मौरी टेक लिमिटेड, पेस डिजिटेक लिमिटेड, ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स लिमिटेड, केएसएच इंटरनेशनल लिमिटेड और प्रायोरिटी ज्वेल्स लिमिटेड को को आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से अंतिम अवलोकन हो गया है। हैदराबाद स्थित आईटी समाधान और सेवा प्रदाता कंपनी, मौरी टेक लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम

(आईपीओ) के जरिए 1500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) 7 मई, 2025 को फिर से दाखिल किया था। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले आईपीओ में 250 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने और प्रमोटर एवं अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 1,250 करोड़ रुपये तक के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल हैं। इस ओएफएस में सुजय पटुरू द्वारा 726.30 करोड़ रुपये, अनिल रेड्डी येरामरेड्डी द्वारा 370.60 करोड़ रुपये और श्रीनिवासु राव संदका द्वारा 153.10 करोड़ रुपये तक के शेयर शामिल हैं। बेंगलुरु स्थित दूरसंचार निष्क्रिय अवसंरचना समाधान प्रदाता कंपनी पेस डिजिटेक लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 900 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास 3 अप्रैल, 2025 को अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 2 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 900 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया निर्गम है। कंपनी की योजना इस निर्गम से प्राप्त 630 करोड़ रुपये की राशि पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण में खर्च करने की है, जबकि शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

स्टॉक मार्केट में अनलोन हेल्थकेयर की सपाट शुरुआत से निवेशक निराश

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्युटिकल इंटरमीडिएट्स और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स का उत्पादन करने वाली कंपनी अनलोन हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 91 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 91 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर 1 प्रतिशत प्रीमियम के साथ कंपनी के शेयर 92 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद भी कंपनी के शेयर सीमित दायरे में कारोबार करते नजर आ रहे हैं। सुबह 11:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद अनलोन

हेल्थकेयर के शेयर 91.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। अनलोन हेल्थकेयर का 121 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 29 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 86 से 91 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया था। इस आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का विस्तार करने, पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 1,06,100 रुपये से लेकर 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 97,260 रुपये से लेकर 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,27,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,06,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,06,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,06,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,06,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 97,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वित्त मंत्री से श्रमिकों की सुरक्षा के लिए राहत और संरचनात्मक सुधार पैकेज देने का आग्रह

एजेंसी

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रत्न एवं आभूषण, चमड़ा संघों और कपड़ा उद्योग को प्रभावित करने वाली आर्थिक चुनौतियों के साथ-साथ 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ को लेकर चिंताओं के बीच उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने तमिलनाडु के चेन्नई में आयोजित इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय समान के अमेरिका निर्यात पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने से होने वाले नुकासन को लेकर बैठक की। सीतारमण ने रत्न एवं आभूषण और चमड़ा संघों तथा कपड़ा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की।

बैठक में उद्योगों ने केंद्र सरकार से उद्योगों के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा के लिए राहत और संरचनात्मक सुधार पैकेज देने का आग्रह किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने हाल

ही में दावा किया था कि अमेरिका के शुल्क बढ़ाकर 50 फीसदी करने से राज्य के निर्यात पर बुरा असर पड़ा है। इससे तिरुपुर को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही हजारों नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। वित्त मंत्री के साथ इस बैठक में भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंथिरन और भाजपा की राष्ट्रीय महिला इकाई की अध्यक्ष एवं कोयंबटूर दक्षिण से विधायक वनथी श्रीनिवासन भी बैठक में शामिल हुईं।

गिरिराज सिंह ने सीसीआई के किसान-केंद्रित कपास किसान ऐप को किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कपास किसान ऐप को लॉन्च किया। कपास किसान ऐप न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत किसानों से कपास की निर्बाध खरीद सुविधाजनक बनाने के लिए वस्त्र मंत्रालय के भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा विकसित नया मोबाइल एप्लिकेशन है। वस्त्र मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कपास किसान ऐप का शुभारंभ किया है। ये नया मोबाइल ऐप किसानों को स्व-पंजीकरण, स्लॉट बुकिंग और भुगतान स्थिति जानने में सहायक है। मंत्रालय ने बताया कि यह ऐप किसानों को भुगतान के बारे में जानकारी प्रदान करेगा, जिससे कपास खरीद प्रक्रिया में अधिक तेजी, पारदर्शिता और सुगमता आएगी। गिरिराज सिंह ने ऐप की लॉन्चिंग के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि किसान-प्रथम

यह मोबाइल ऐप कपास उत्पादक किसानों के लिए उनकी उपज की बिक्री अधिक आसान बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल ऐप से पंजीकरण से लेकर भुगतान स्थिति तक सभी न्यूनतम समर्थन मूल्य संचालन समय पर पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से सुनिश्चित होगा, जो किसानों को किसी संकटकालीन बिक्री से बचाने और डिजिटल इंडिया अभियान को गति प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

उन्होंने कहा कि इस ऐप के जरिए किसान एमएसपी के तहत कपास बेचने के लिए खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। इसके साथ ही निर्दिष्ट खरीद केंद्रों के डिजिटल शेड्यूलिंग से प्रतीक्षा समय और भीड़ कम करने, गुणवत्ता मूल्यांकन का वास्तविक समय अपडेट, स्वीकृत मात्रा, भुगतान प्रक्रिया और कई भारतीय भाषाओं में इसकी जानकारी मिलने से किसान लाभान्वित होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह ऐप कपास किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित कर किसी भी संकटपूर्ण बिक्री से बचाने में मदद करेगा। इससे कागजी कामकाज में कमी आएगी और खरीद केंद्रों पर समय की बचत के साथ ही पारदर्शिता बढ़ेगी। किसानों को सुविधाजनक समय चुनने की स्वतंत्रता से योजना बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

एप्पल ने बेंगलुरु में खोला अपना पहला खुदरा स्टोर

एजेंसी

नई दिल्ली। एप्पल ने बेंगलुरु में अपना पहला खुदरा स्टोर एप्पल हेब्बल नाम से खोला। दिल्ली और मुंबई के बाद अब ये कंपनी का दक्षिण भारत में पहला और देश में तीसरा स्टोर है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 'एप्पल हेब्ब्ल' नाम का यह स्टोर ग्राहकों को एप्पल उत्पादों, सेवाओं और सहायता की पूरी श्रृंखला के साथ ही निःशुल्क 'टुडे एट एप्पल' सत्र की सुविधा भी देगा। इस सत्र की मदद से उपयोगकर्ताओं को अपने उपकरणों का अधिकतम लाभ उठाने में मदद मिलेगी। एप्पल ने अपने ऑनलाइन मंच के अलावा मुंबई में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला भारतीय स्टोर 'एप्पल बीकेसी' खोला था। उसके बाद दिल्ली में 'एप्पल साकेत' की शुरुआत हुई। एप्पल ने कहा कि ये नया स्टोर 100 फीसदी नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित है। एप्पल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (खुदरा और जनसमूह) डिएड्रे ओ'ब्रायन ने बयान में कहा, ''हमें एप्पल हेब्बल

खोलकर खुशी हो रही है, जो बेंगलुरु की नवाचार की भावना का जश्न मनाने वाला एक सामुदायिक केंद्र है।'' उन्होंने कहा कि एप्पल हेब्बल में ग्राहक नए उत्पादों का आनंद ले सकते हैं, जिनमें आईफोन-16, एम4 चिप से संचालित मैकबुक प्रो, एप्पल पेंसिल प्रो के साथ आईपैड एयर, एप्पल वॉच सीरिज 10, एयरपॉड 4 और एयरटैग शामिल हैं।

उतार-चढ़ाव के बीच डॉलर की तुलना में पांच पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार की तरह ही मुद्रा बाजार में भी जबरदस्त उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन के पहले सत्र में रुपया लगातार मजबूत होता गया, लेकिन दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपये की चाल में गिरावट आ गई। इस गिरावट के बावजूद भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 5 पैसे उछल कर 88.16 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 88.21 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की बढ़त के साथ 88.15 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर तक रुपये की

स्थिति लगातार मजबूत होती गई। डॉलर की आवक बढ़ने के कारण रुपया 38 पैसे की मजबूती के साथ 87.83 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों ने जमकर बिकवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से मुद्रा बाजार से डॉलर की निकासी में तेजी आ गई। डॉलर की इस निकासी के कारण रुपये पर भी दबाव बढ़ने लगा, जिससे रुपये के भाव में गिरावट आने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 5 पैसे की मजबूती के साथ 88.16 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही दूसरी अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती का प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 1.20 रुपये की तेजी के साथ 118.13 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 76.24 पैसे की उछाल के साथ 102.60 (अनंतिम) के स्तर तक पहुंच गया।

अप्रैल-अगस्त में वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 11.9 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में कोयला के उत्पादन में निरंतर बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से अगस्त के दौरान भारत की कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन में पिछले वित्?त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.88 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इन पांच महीनों के दौरान खदानों से कोयले का प्रेषण 9.12 फीसदी बढ़ा है।

कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस वर्ष अगस्त महीने के दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला का उत्पादन 14.43 मिलियन टन (एमटी) दर्ज किया गया, जबकि प्रेषण 15.07 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गया। ये सकारात्मक रुझान पूरे क्षेत्र में परिचालन दक्षता में

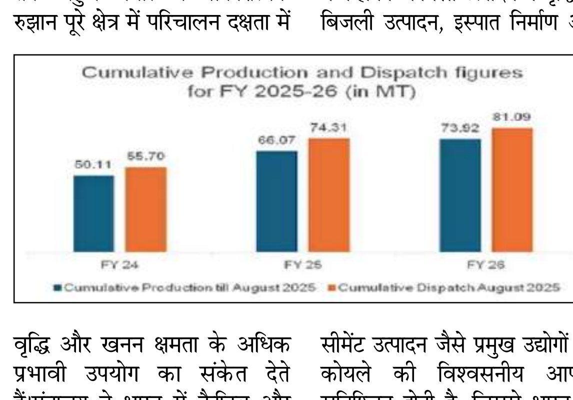

वृद्धि और खनन क्षमता के अधिक प्रभावी उपयोग का संकेत देते हैं।मंत्रालय ने भारत में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि कोयला उत्पादन में वृद्धि से बिजली उत्पादन, इस्पात निर्माण और सीमेंट उत्पादन जैसे प्रमुख उद्योगों को कोयले की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जिससे भारत के औद्योगिक बुनियादी ढांचे की रीढ़ मजबूत होती है।

डीप टेक अलायंस के तहत 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा ने एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया, जब केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की पहली 'मेड-इन-इंडिया' चिप प्रधानमंत्री पीएम मोदी को भेंट की। 'सेमीकॉन इंडिया 2025' सम्मेलन में कुल 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। ये समझौते कैमरा मॉड्यूल, माइक्रोफोन बड्स, मिनिएचर पैकेजिंग, और प्रतिभा विकास इकोसिस्टम जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी तकनीकों के विकास पर केंद्रित हैं।सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीप टेक अलायंस' के गठन की भी घोषणा की, जिसमें 1 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता पहले ही मिल चुकी है। शुरुआत में यह अलायंस सेमीकंडक्टर्स पर केंद्रित रहेगा, लेकिन आगे चलकर यह क्लीन एनर्जी, बायोटेक्नोलॉजी, क्वांटम टेक्नोलॉजी, और स्पेस जैसे अग्रणी क्षेत्रों में विस्तार करेगा। वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर निर्माण में भारत की लागत वैश्विक मानकों की तुलना में 15 से 30 प्रतिशत अधिक प्रतिस्पर्धी है। भारत ने कभी भी परियोजनाओं को जल्दबाजी में स्वीकृति नहीं दी, बल्कि हर परियोजना को व्यावसायिक मूल्यांकन के बाद ही मंजूरी दी गई, जिससे स्थायी विकास सुनिश्चित हो सके।

शेयर बाजार में जोरदार उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट का शिकार हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार जबरदस्त उतार-चढ़ाव का का सामना करने के बाद कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान शेयर बाजार में दोपहर 1 बजे तक लगातार तेजी का माहौल बना रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक जोरदार गिरावट के शिकार हो गए। आज के कारोबार में सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 750 अंक से अधिक टूट गया, वहीं निफ्टी ने भी ऊपरी स्तर से 230 अंक से अधिक का गोता लगाया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने अच्छी बढ़त हासिल कर ली, लेकिन कमजोर ग्लोबल संकेतों, निफ्टी के फ्यूचर एंड ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी में हुए बदलाव की वजह से बनी अनिश्चितता और ऊपरी स्तर से हुई मुनाफा वसूली की वजह से शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.26 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान फाइनेंशियल, बैंकिंग, रियल्टी और आईटी सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त मुनाफा वसूली होती नजर आई। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, मेटल, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 449.94 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 448.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.09 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,285 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,529 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,612 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 144 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,780 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,737 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,043 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 155.60 अंक की मजबूती के साथ 80,520.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 396.65 अंक उछल कर 80,761.14 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 752.64 अंक टूट कर 355.99 अंक की कमजोरी के साथ 80,008.50 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 206.61 अंक की गिरावट के साथ 80,157.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

नहीं रहे हॉलीवुड के मशहूर एक्टर ग्राहम ग्रीन

एजेंसी

टोरंटो। हॉलीवुड से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज अभिनेता ग्राहम ग्रीन का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके एजेंट माइकल ग्रीन ने इस बात की पुष्टि की है। ग्राहम लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। बीते कुछ महीनों से उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी और वह कनाडा के टोरंटो स्थित एक निजी अस्पताल में उपचाररत थे। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से न केवल उनके परिवार और चाहने वाले बल्कि पूरा हॉलीवुड शोक की लहर में डूब गया है। ग्राहम ग्रीन का फिल्मी करियर कई दशकों तक फैला रहा। हालांकि, उनके अभिनय को असली पहचान और वैश्विक स्तर पर उड़ान 1990 में मिली, जब उन्होंने केविन कॉस्टनर की बहुचर्चित फिल्म 'डांस विद वोल्व्स' में 'किकिंग बर्ड' का किरदार निभाया। इस फिल्म को कुल 12 ऑस्कर नामांकन मिले थे और ग्राहम को इसमें उनके दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता की श्रेणी में नामांकित किया गया था। यही वह फिल्म थी, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता दिलाई और दुनिया भर के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई।

दक्षिण कोरिया में छुरा घोंपने पर तीन लोगों की मौत

सोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल में एक व्यक्ति ने तीन लोगों पर चाकू से हमला किया। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां तीनों लोगों की मौत हो गयी। मीडिया रिपोर्टस में यह जानकारी दी गयी। दक्षिण-पश्चिमी सोल के एक रेस्टोरेंट में स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10:57 बजे एक व्यक्ति ने दो अन्य पुरुषों और एक महिला को छुरा घोंप दिया।गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ तीनों की मौत हो गयी। हमलावर ने इसके बाद आत्महत्या के प्रयास किया। वह भ्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस का मानना है कि हमलावर ने किसी व्यावसायिक विवाद के चलते ऐसा किया है और उसके स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उससे विस्तृत पूछताछ और मामले की जांच की जायेगी।

अमेरिका को भारत से आयात पर लगाना चाहिए शून्य टैरिफ, व्यापार नीति में बदलाव की जरूरत

न्यूयॉर्क। एक प्रमुख अमेरिकी विश्लेषक ने अमेरिका को भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर शून्य प्रतिशत टैरिफ लगाने की सलाह दी है। यह सुझाव ऐसे समय में आया है जब नई अमेरिकी सरकार अपनी वैश्विक व्यापार नीतियों की समीक्षा कर रही है। विश्लेषक का मानना है कि भारत के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करके अमेरिका न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचा सकता है, बल्कि चीन के बढ़ते प्रभाव को भी कम कर सकता है।

व्यापार में बदलाव का प्रस्ताव: विश्लेषक ने कहा कि शून्य टैरिफ नीति से दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी वृद्धि होगी। उनका तर्क है कि भारत एक बड़ा और तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है, और उसके साथ घनिष्ठ आर्थिक संबंध स्थापित करना अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह कदम उन उद्योगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है जो वर्तमान में टैरिफ और व्यापार बाधाओं से प्रभावित हैं।

भारत-अमेरिका संबंध मजबूत करने की पहलः यह सुझाव भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। विश्लेषक ने कहा कि दोनों देश लोकतंत्र और साझा मूल्यों पर आधारित हैं। ऐसे में, व्यापार बाधाओं को हटाकर वे न केवल आर्थिक रूप से एक-दूसरे का समर्थन कर सकते हैं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक मजबूत साझेदारी बना सकते हैं।

संदिग्ध व्यक्ति ने सांसद के हत्या की बात स्वीकार की

कीव। यूक्रेन के सांसद एंड्री पारुबिय के संदिग्ध हत्यारे ने हत्या की बात स्वीकार की और दावा किया कि उसने बदला लेने के लिए यह अपराध किया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन संसद के पूर्व अध्यक्ष और एक प्रमुख राष्ट्रवादी राजनेता पारुबिय की पिछले शनिवार को पश्चिमी शहर ल्वीव में एक हमले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे सुनियोजित हमला बताया है।

पुलिस ने कल पत्रकारों को बताया कि संदिग्ध पारुबिय की मौत के लिए ज़िम्मेदार है। जैसा कि अदालत के अंदर के वीडियो में दिखाया गया है। पुलिस ने ल्वीव निवासी 52 वर्षीय संदिग्ध का नाम जारी नहीं किया है। संदिग्ध ने हत्या को यूक्रेनी अधिकारियों से अपना निजी बदला बताया। संदिग्ध व्यक्ति ने अदालत के अंदर पत्रकारों से कहा, हाँ, मैं मानता हूँ कि मैंने उसकी हत्या की है। साथ ही उसने उन अटकलों का खंडन किया कि उसने हत्या को अंजाम देने के लिए किसी रूसी विशेष सेवा के साथ काम किया था। संदिग्ध ने बताया कि उसने पारुबिय को क्योंकि वह पास में ही था गोली मारी। ल्वीव क्षेत्रीय अभियोजक कार्यालय ने बताया कि पारुबिय को गोली मारने के बाद संदिग्ध कथित तौर पर जंगल में भाग गया, जहाँ उसने अपने कपड़े जला दिए और अपनी साइकिल को तोड़ दिया। अभियोजक कार्यालय ने बताया कि जाँच जारी रहने तक संदिग्ध को 60 दिनों की हिरासत में भेज दिया गया है। अदालत के वीडियो में दिखाया गया है कि संदिग्ध ने पत्रकारों से आगे कहा कि वह चाहता है कि फैसला जल्दी सुनाया जाए ताकि उसे युद्धबंदियों के बदले में बदला जा सके ताकि मैं जाकर अपने बेटे का शव ढूंढ सकूँ।

भूकंप प्रभावित प्रांतों में आ रही बचाव कार्यों में चुनौतियां, हिंदू-सिख समुदाय ने बढ़ाया मदद का हाथ

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में आए विनाशकारी भूकंप के बाद बचाव दल को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अफगानिस्तान के भूकंप प्रभावित प्रांतों में मानवीय सहायता कार्यकर्ताओं को संचार और संपर्क की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, अफगानिस्तान में रहने वाले हिंदू और सिख समुदाय के लोगों ने भूकंप प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। उन्होंने पूर्वी प्रांतों में भूकंप पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी है। काउंसिल ऑफ हिंदू एंड सिख माइनॉरिटीज ऑफ अफगानिस्तान के अध्यक्ष मंजीत सिंह लांबे ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अफगानिस्तान के सिखों ने विदेशों में रहने वाले प्रवासी समुदायों और विश्व हिंदू संघ के साथ मिलकर भूकंप पीड़ितों के

लिए मानवीय सहायता भेजी है। इस तबाही का सामना करने वाले शहरों में जलालाबाद भी शामिल है, जहां सिख गुरु गुरु नानक ने दौरा किया था। इस शहर में गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार स्थित है। वर्तमान में अफगानिस्तान में रहने वाले हिंदुओं और सिखों की सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है यूरोपीय संघ एजेंसी फॉर एसाइलम के अनुसार, 1970 के दशक में इनकी संख्या सात लाख से अधिक थी, जो 2021 के अंत तक घटकर लगभग 150 रह गई थी। सिख और हिंदू संगठन की वेबसाइट पर एक पोस्ट के अनुसार, 2019 में अब भंग हो चुके अफगानिस्तान के स्वतंत्र निर्वाचन आयोग ने देशभर में 1,105 सिख और हिंदू मतदाताओं को दर्ज किया था, जिनमें से 759 काबुल, 342 नंगरहार प्रांत और केवल चार हेलमंद में थे। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि भूकंप से सैकड़ों-हजारों लोग प्रभावित हो सकते हैं। रविवार को आए भूकंप के बाद पहले 24 घंटों में राहत और बचाव कार्यों तक पहुंच 'बेहद सीमित' रही। भूकंप के कारण हुए भूस्खलन और चट्टानों के गिरने से बचाव कार्य बाधित हुए। हाल की भारी बारिश के कारण पहले से ही कुछ सड़कें भूस्खलन से अवरुद्ध थीं। इसके बाद से क्षेत्र में कई झटके (आफ्टरशॉक्स) भी महसूस किए गए।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने चीनी उपराष्ट्रपति से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर चर्चा

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा 'ओली' ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से बीजिंग के डायोयुताई स्टेट गेस्टहाउस में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार और सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर बैठक की।

प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार डॉ. युवराज खतिवड़ा ने बताया कि बैठक के दौरान चीनी पक्ष ने द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों के विस्तार के साथ-साथ उन परियोजनाओं को बढ़ावा देने के बारे में चर्चा की जिनसे दोनों देशों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि नेपाली पक्ष ने एक-चीन नीति के प्रति अपनी स्पष्ट प्रतिबद्धता दोहराई और अपने क्षेत्र को चीन के खिलाफ इस्तेमाल नहीं करने देने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ओली चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के समापन के बाद मंगलवार सुबह बीजिंग पहुंचे। प्रधानमंत्री ओली बीजिंग में फासीवाद और जापानी आक्रामकता के खिलाफ युद्ध में चीन की जीत के 80वीं वर्षगांठ समारोह में वैश्विक नेताओं के साथ सहभागी होंगे। प्रधानमंत्री ओली ने चीनी उपराष्ट्रपति हान के द्वारा विदेशी मेहमानों के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज में भी सहभागी हुए।

पाकिस्तान के क्वेटा में धमाका : 13 की मौत, 31 घायल

एजेंसी

क्वेटा। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में हुए जोरदार विस्फोट ने दहशत फैला दी। यह धमाका बलोचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) की एक रैली के तुरंत बाद हुआ, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई और 31 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शी ज़मान बलोच, जो इस घटना में घायल हुए हैं, ने बताया कि बैठक समाप्त होने के बाद वह अपने दोस्त का इंतजार कर रहे थे तभी अचानक जोरदार धमाका हुआ।

उन्होंने कहा, धमाके के बाद हर तरफ अफरातफरी मच गई, लोग जमीन पर पड़े थे और चीख़-पुकार गूंज रही थी। बीएनपी के केंद्रीय सूचना सचिव आग़ा बलोच ने बताया कि यह धमाका नवाब नियाज जेहरी के वाहन के पास हुआ। उन्होंने पुष्टि की कि इस हमले में पार्टी के कुछ निजी सुरक्षाकर्मी भी मारे गए हैं। बलोचिस्तान सरकार ने इस घटना की जांच के

आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री मीर सरफ़राज बुगती ने धमाके की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'मानवता के दुश्मनों की कायराना हरकत' बताया। उन्होंने कहा, 'आतंकवादियों के नापाक इरादों को हर कीमत पर नाकाम किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार घायलों को नज़दीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और कई की हालत गंभीर बनी हुई है। इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है और जांच एजेंसियां विस्फोट की प्रकृति की जांच में जुटी हैं।

नेपाल में विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में विदेशी नागरिकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नेपाल सरकार ने ट्रैकिंग प्रणाली की शुरुआत की है। विदेशी नागरिकों द्वारा धर्म परिवर्तन, मानवतस्करी जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल होने से लेकर वीजा की अवधि से अधिक दिनों तक रहने वाले विदेशी नागरिकों पर नजर रखने में यह प्रणाली कारगर साबित होगी। गृह मंत्रालय के अंतर्गत रहे आव्रजन विभाग ने नेपाल में आने वाले सभी विदेशी नागरिकों पर नजर रखने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत करने जा रही है। इसके लिए विमान से हवाई अड्डे पर आने के बाद सभी विदेशी नागरिकों को एक ऐप डाउनलोड करके उसमें अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। आवज्रन विभाग सबसे पहले इसकी शुरुआत काठमांडू से करने जा रहा है। आवज्रन विभाग के महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने बुधवार को घोषणा की है कि वह नेपाल में विदेशियों के प्रवेश, ठहरने और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 17 सितंबर, 2025 से विदेशी नागरिकों के पंजीकरण और ट्रैकिंग प्रणाली (एफएनआरटीएस) को लागू करेगा।

महानिदेशक तिवारी के अनुसार, इस प्रणाली को चरणों में लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया पहले चरण में, इसे 17 सितंबर से काठमांडू के भीतर सभी स्टार होटलों में लागू किया जाएगा। दूसरे चरण में, 16 नवंबर से शुरू होने वाले, इस प्रणाली का विस्तार सभी स्टार होटलों, एयरलाइनों, पर्यटन और ट्रैवल एजेंसियों, मनी एक्सचेंज तक किया जाएगा। महानिदेशक रामचंद्र तिवारी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक धीरे-धीरे अन्य होटलों, अतिथि गृहों और सेवा प्रदाताओं तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली को विदेशी नागरिकों के रिकॉर्ड को बनाए रखने, उनकी सुरक्षा बढ़ाने, आपात स्थितियों में खोज और बचाव कार्यों को सुविधाजनक बनाने और सुरक्षा एजेंसियों और पर्यटन हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके साथ ही विदेशी नागरिकों द्वारा नेपाल में मानवतस्करी एवं संगठित अपराधों सहित कई गैर कानूनी गतिविधि में शामिल होने, धर्म परिवर्तन जैसे असंवैधानिक कार्य में लिप्त होने और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद लंबे समय तक यहां छिप कर रहने वाले विदेशी नागरिकों पर निगरानी रखने के लिए यह प्रणाली कारगर साबित होने वाली है।

बीजिंग में सैन्य प्रदर्शन पर ट्रंप की टिप्पणी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया पर लगाया साजिश का आरोप

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने के लिए बीजिंग के थियानमेन चौक पर एक भव्य समारोह आयोजित किया, जिसमें रूस और उत्तर कोरिया के नेताओं को आमंत्रित किया गया। इस आयोजन ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तीखी प्रतिक्रिया के कारण। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में चीन, रूस और उत्तर कोरिया पर अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोस्ट में लिखा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को यह याद रखना चाहिए कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने चीन को विदेशी आक्रमण से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की थी।

उन्होंने कहा कि इस युद्ध में कई

अमेरिकी सैनिकों ने अपनी जान गंवाई, और उनके बलिदान को चीन को सम्मान देना चाहिए।

ट्रंप ने यह भी उम्मीद जताई कि यह समारोह शी जिनपिंग और चीनी जनता के लिए गौरवपूर्ण होगा। साथ ही, उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को अपनी शुभकामनाएं दीं, लेकिन इसे व्यंग्यात्मक रूप से पेश करते हुए कहा कि ये तीनों देश मिलकर अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

यह आयोजन चीन की सैन्य शक्ति और क्षेत्रीय प्रभाव को प्रदर्शित करने का एक प्रयास माना जा रहा है।

थियानमेन चौक पर आयोजित इस समारोह में आधुनिक हथियारों, मिसाइलों और सैन्य टुकड़ियों का प्रदर्शन किया गया। रूस और उत्तर कोरिया की मौजूदगी ने इस आयोजन को और भी चर्चा का विषय बना दिया। वहीं, ट्रंप की टिप्पणी ने वैश्विक कूटनीति में तनाव को बढ़ाने का काम किया है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह आयोजन न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन है, बल्कि यह तीनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग का भी संकेत हो सकता है। इस बीच, अमेरिका ने इस आयोजन पर कड़ी नजर रखने की बात कही है।

ट्रंप ने एलए में आव्रजन विरोध प्रदर्शनों के बीच नेशनल गार्ड को अवैध रूप से तैनात किया, जज का फैसला

एजेंसी

वॉशिंगटन। एक अमेरिकी संघीय जज ने फैसला सुनाया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस गर्मी लॉस एंजेलिस (एलए) में आव्रजन विरोध प्रदर्शनों के दौरान नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती कर कानून का उल्लंघन किया। जज चार्ल्स ब्रेयर ने कहा कि नेशनल गार्ड की तैनाती पॉज कॉमिटेटस एक्ट का उल्लंघन है, जो अमेरिकी सेना को घरेलू कानून प्रवर्तन

गतिविधियों में शामिल होने से रोकता है। यह मामला कैलिफोर्निया सरकार ने संघीय प्रशासन के खिलाफ दायर किया था। ट्रंप प्रशासन ने दलील दी थी कि सैनिक केवल संघीय अधिकारियों की सुरक्षा कर रहे थे और किसी भी तरह की गिरफ्तारी में शामिल नहीं थे। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट किया कि इस तैनाती ने कानूनी सीमा को लांघा। फिलहाल, जज ने शेष सैनिकों को तुरंत वापस बुलाने का आदेश नहीं दिया है। वहीं, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने अपने राज्य की संघीय अदालत में मिली जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस गर्मी में लॉस एंजिल्स में ट्रम्प द्वारा नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती अवैध थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, डोनाल्ड ट्रम्प फिर हारे। अदालतें इस बात पर सहमत हैं- हमारी सड़कों का सैन्यीकरण और अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ सेना का इस्तेमाल अवैध है।

लंदन में कदम रखते ही तमिलों ने स्नेह से मुझे गले लगा लिया : मुख्यमंत्री स्टालिन

एजेंसी

लंदन। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन अपनी जर्मनी की यात्रा पुरी कर लंदन पहुंच गए हैं। लंदन में भारतीय मूल के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके बुधवार को इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अपने पोस्ट में लिखा, इंग्लैंड (लंदन) में कदम रखते ही भारतीय मूल के नागरिकों और तमिलों ने स्नेह से मुझे गले लगा लिया। समुद्र पार की इस यात्रा में मुझे घर जैसी खुशबू मिली। मैं इस उत्साहपूर्ण स्वागत से बहुत प्रसन्न हूं। उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, इंग्लैंड में कदम रखते ही मुझे गर्मजोशी और स्नेह से गले लगाया गया, ऐसा स्वागत जिसने दूर-दूर तक घर की खुशबू फैला दी। मुख्यमंत्री स्टालिन आज (3 सितंबर) को लंदन में कई निवेशकों के साथ बैठक करने

वाले हैं। वे यहां रहने वाले तमिलों के साथ भी बैठक करेंगे और उनसे तमिलनाडु में निवेश करने के लिए आग्रह करने वाले हैं। आत्मसम्मान आंदोलन की शताब्दी के उपलक्ष्य में स्टालिन 4 सितंबर को यूनाइटेड किंगडम की अपनी यात्रा के दौरान ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय में आत्म-सम्मान आंदोलन और उसकी विरासत सम्मेलन 2025 को संबोधित करेंगे। वह विश्वविद्यालय परिसर में समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी के चित्र का अनावरण भी करेंगे। इस बीच तमिलनाडु सरकार ने घोषणा की है कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में टीएन राइजिंग इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव के तहत जर्मनी में आयोजित तमिलनाडु निवेशक सम्मेलन में 26 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए हैं। अब हस्ताक्षरित निवेश बढ़कर 7020 करोड़ रुपये हो गया है और इससे 15,320 लोगों के लिए रोजगार का सृजन हुआ है। सरकार की ओर से बताया गया कि हस्ताक्षरित समझौते इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस, हरित ऊर्जा और ऑटो कंपोनेंट्स सहित कई रणनीतिक क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिससे तमिलनाडु की एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थिति और मजबूत होती है।

ईरान ने कहा- अमेरिकी मिसाइल शर्तें परमाणु वार्ता में बाधा

एजेंसी

दुबई। ईरान ने संकेत दिया कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं, लेकिन वाशिंगटन की ओर से मिसाइल कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग किसी भी समझौते की राह में सबसे बड़ी रुकावट है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारिजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हम तर्कसंगत बातचीत चाहते हैं, लेकिन वे मिसाइल प्रतिबंध जैसी अव्यावहारिक शर्तें रखकर वार्ता को असंभव बना रहे हैं।' जून में इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले और उसके जवाब में ईरान द्वारा इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागने के बाद छठे दौर की परमाणु वार्ता स्थगित कर दी गई थी। पश्चिमी देशों को आशंका है कि ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल हो सकता है और वह बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित कर रहा है जो ऐसे हथियार ले जा सकें। हालांकि, ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ बिजली उत्पादन और नागरिक उपयोग के लिए है।लारिजानी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब

पिछले सप्ताह फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन (ई3) ने स्नैपबैक मैकेनिज्म शुरू किया है, जिससे संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध फिर से लागू हो सकते हैं। ई3 देशों ने ईरान से अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में शामिल होने का आग्रह किया है ताकि प्रतिबंधों को छह महीने तक टाला जा सके।

पीएम ओली की सरकार की वैधता पर नेपाल सुप्रीम कोर्ट की फुल बेंच करेगी सुनवाई

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिका पर अंतिम फैसला करने के लिए नेपाल उच्चतम न्यायालय की फुल बेंच सुनवाई करेगी। अदालत ने इस मामले से सम्बंधित दस्तावेज राष्ट्रपति भवन से मंगवाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति तिल प्रसाद श्रेष्ठ और न्यायमूर्ति श्रीकांत पौडेल की पीठ ने उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता यज्ञमणि न्यौपाने की दलीलों के बाद मामले को प्राथमिकता देने का आदेश दिया है। इस रिट में संवैधानिक प्रावधानों के तहत विश्वास मत नहीं लेने का तर्क देते हुए ओली सरकार को अवैध घोषित करने की मांग की गई है। साथ ही अदालत ने संसद सचिवालय से ओली सरकार से संबंधित सभी दस्तावेज भी अदालत में जमा करने को कहा है। इससे पहले कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से सरकार को समर्थन देने वाले राजनीतिक दलों की वास्तविक स्थिति से संबंधित सभी दस्तावेज अदालत में जमा करने का आदेश दिया था। अधिवक्ता वीरेन्द्र केसी ने 21 अगस्त को दायर याचिका में दावा किया है कि जेएसपी नेपाल और नागरिक उनमुक्ति पार्टी जैसे दलों के समर्थन वापस लेने के बाद प्रधानमंत्री संवैधानिक रूप से अनिवार्य 30 दिनों के भीतर विश्वास मत साबित करने में विफल रहे, जिससे सरकार की वैधानिकता समाप्त हो गई है।

चीन के 'विक्ट्री डे' परेड में सबसे बड़ी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन, जिनपिंग ने 'वैश्विक शांति' का किया आह्वान

एजेंसी

बीजिंग । द्वितीय विश्व युद्ध में चीन ने जीत की 80वीं वर्षगांठ पर 'विक्ट्री डे परेड' के बहाने अपना सबसे बड़ा सैन्य शक्ति प्रदर्शन किया है। चीन ने हाइपरसोनिक मिसाइलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों और मानवरहित लड़ाकू प्लेटफार्मों समेत अपनी सबसे उन्नत सैन्य तकनीक को सार्वजनिक तौर पर दिखाते हुए सैन्य परेड निकाली। इसमें 10 हजार से अधिक सैन्यकर्मी, 100 से अधिक विमान के साथ ही सैकड़ों टैंक और बख्तरबंद वाहन थे। चीन के तियानमेन में आयोजित इस कार्यक्रम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने हिस्सा लिया। इसके अलावा, ईरान, मलेशिया, पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव, म्यांमार, इंडोनेशिया, मंगोलिया, जिम्बाब्वे और मध्य एशियाई देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में परेड हुई। वैश्विक तनाव के बीच 'विक्ट्री डे परेड' के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शांति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का संदेश दिया। अपने मुख्य भाषण में शी जिनपिंग ने कहा कि यह विजय

आधुनिक काल में विदेशी आक्रमण के खिलाफ चीन की पहली पूर्ण जीत थी। जिनपिंग ने कहा, 'मानव सभ्यता के उद्धार और विश्व शांति की रक्षा में चीनी लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।' उन्होंने राष्ट्रों से 'युद्ध के मूल कारणों को समाप्त करने' और ऐतिहासिक त्रासदियों की पुनरावृत्ति को रोकने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी कहा कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को चीन के कायाकल्प और आधुनिकीकरण के लिए रणनीतिक समर्थन देना चाहिए, ताकि देश 2035 तक एक पूरी तरह आधुनिक समाजवादी राष्ट्र बन सके। यह 2015 के बाद सिर्फ दूसरी बार था, जब चीन ने इस पैमाने पर 'विक्ट्री डे' पर परेड आयोजित की। परेड स्थल पर ग्रेट वॉल जैसी विशाल संरचनाएं लगाई गई थीं, जो युद्धकाल के दौरान चीनी धैर्य और संघर्ष का प्रतीक थीं। हेलीकॉप्टरों से 'न्याय की जीत', 'शांति की जीत' और 'जनता की जीत' लिखे बैनर लहराए गए, जबकि सैनिकों ने सटीक मार्च पास्ट किया। दर्शकों और युद्ध के दिग्गजों ने युद्धकाल की ऐतिहासिक सैन्य इकाइयों को समर्पित 80 स्मृति ध्वजों को भी देखा।

चीन का प्रतिरोध 1931 में शुरू हुआ था, जो मित्र राष्ट्रों में सबसे प्रारंभिक और लंबे समय तक चलने वाला था। चीन ने जापान की आधे से अधिक विदेशी सेना को घेर लिया और 3.5 करोड़ हताहत हुए, जो द्वितीय विश्व युद्ध में हुए कुल वैश्विक नुकसान का लगभग एक तिहाई था। कार्यक्रम में उन देशों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने युद्ध के दौरान चीन का समर्थन किया था, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और कनाडा शामिल हैं। इस परेड में पहली बार संयुक्त राष्ट्र के तहत सेवा देने वाले चीनी शांति सैनिकों को भी शामिल किया गया, जो चीन की वैश्विक रक्षा भूमिका में बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। कांगो में सेवा दे चुके एक सैनिक ने कहा, हम पूर्वजों के खून से हासिल की गई शांति की रक्षा करने की क्षमता रखते हैं।

स्थानीय समाचार

जम्मू-पुंछ राजमार्ग पर संकट, भाजपा ने सुरंगें खोलने और राहत कार्य तेज़ करने की मांग की

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा यूटी उपाध्यक्ष एवं युवा मोर्चा प्रभारी राकेश महाजन ने जम्मू-पुंछ राजमार्ग पर लगातार बारिश, भूस्खलन और बाढ़ जैसी स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

पार्टी अध्यक्ष सत शर्मा के साथ हुई अहम बैठक में महाजन ने केंद्र और स्थानीय प्रशासन से तात्कालिक हस्तक्षेप की अपील की। महाजन ने कहा कि खासकर कालीधार क्षेत्र में भारी भूस्खलन ने राजमार्ग को बेहद खतरनाक बना दिया है। उन्होंने जोर दिया कि चौकी चौरा, कालीधार और नौशेरा में बनी सुरंगें, जिन्हें पहले परीक्षण आधार पर खोला गया था, तुरंत खोली जाएँ ताकि वाहनों की सुरक्षित और निरंतर आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने सड़क के नाजुक हिस्सों को मज़बूत करने, नदियों के किनारे क्रेट बंड और सुरक्षा दीवारें बनाने की भी मांग की। महाजन ने उन परिवारों, दुकानदारों और संपत्ति मालिकों को तत्काल मुआवज़ा और राहत देने पर बल दिया जिनका नुकसान हाल की प्राकृतिक आपदा में हुआ है। जनता को सतर्क करते हुए महाजन ने कहा कि लोग अनावश्यक यात्रा से बचें, विशेषकर रात के समय, क्योंकि मौसम की अस्थिरता के बीच हादसों का ख़तरा बढ़ जाता है। उन्होंने राजौरी और पुंछ की पहाड़ी ज़मीन पर सावधानी और सतर्कता को जीवन रक्षा का मूल मंत्र बताया।

बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रशासन, हाईवे प्राधिकरण और स्थानीय निकायों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर स्थिति से निपटना ज़रूरी है। महाजन ने कहा कि समय पर हस्तक्षेप और जन-जागरूकता से ही जान-माल की हानि को रोका जा सकता है। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों की निरंतर निगरानी, सड़क और सुरंगों की मरम्मत तथा नए निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों नेताओं ने कहा कि प्रो-एक्टिव और सुरक्षा-प्रथम दृष्टिकोण ही मानसून के दौरान लोगों की जान और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है।

हजरतबल दरगाह का कायाकल्प पूरा, वक्फ बोर्ड चेयरपर्सन ने किया लोकार्पण

जम्मू, 3 सितंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन डॉ. सैयद दरख्शां अंद्राबी ने बुधवार को ऐतिहासिक हजरतबल दरगाह के मेगा कंस्ट्रक्शन एवं ब्यूटीफिकेशन प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया। लंबे समय से चले आ रहे इस निर्माण कार्य के पूरा होने पर उद्घाटन के दौरान भावुक होकर डॉ. अंद्राबी की आँखों में आँसू छलक आए। इस अवसर पर वक्फ बोर्ड के सदस्य डॉ. गुलाम नबी हलीम और सैयद मोहम्मद हुसैन हक्कानी के अलावा मौलाना गुलाम रसूल हामी, मौलाना मोहम्मद अशरफ समेत कई प्रख्यात धर्मगुरु भी मौजूद रहे। इस परियोजना के तहत दरगाह की आंतरिक संरचना का पुनर्निर्माण और प्लास्टरिंग स्थानीय पारंपरिक कारीगरी से की गई है। दरगाह के भीतर अत्याधुनिक डिजिटल विद्युत प्रणाली, एयर कंडीशनिंग और नया साउंड सिस्टम लगाया गया है। सोने की नक़्क़ाशी, खतमबंद, पेपर माशी, पिंजरा कारी, कलाकारी और काँच की कलात्मक सजावट ने दरगाह को भव्य रूप प्रदान किया है। साथ ही क़ुरआनी आयतों से सुसज्जित झूमर और नूरख़ाना को नया रूप देकर इसकी शोभा और बढ़ा दी गई है। डॉ. अंद्राबी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह उनका सपना प्रोजेक्ट था और मिलाद से पहले इसके पूरा होने पर वे खुद को ईश्वर के प्रति कृतज्ञ महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही उनका प्रयास रहा है कि दरगाह का ढाँचा आधुनिक और सुंदर बनाया जाए ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें।

भाजपा जम्मू जिला का प्रभारी नियुक्त होने पर बृजेश्वर सिंह राणा को किया गया सम्मानित

आरएस पुरा, 3 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से पार्टी के वरिष्ठ नेता बृजेश्वर सिंह राणा को भाजपा जम्मू जिला का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर बुधवार को आरएस पुरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने बृजेश्वर सिंह राणा को सम्मानित किया तथा जिला प्रभारी की जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें मुबारकबाद दी। भाजपा के मंडल अध्यक्ष नवीन भारती की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान पार्टी के काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर जम्मू जिला का प्रभारी बनने पर बृजेश्वर सिंह राणा ने पार्टी हाईकमान का धन्यवाद करते हुए कहा की पार्टी ने उन पर जो जिम्मेदारी दी है वह उस पर खरा उतरने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे और पार्टी को मजबूत करने के साथ-साथ समाज की बेहतरी में भी अपना योगदान देंगे। इस मौके पर बाढ़ तथा बारिश के कारण बने हालातों पर भी चर्चा की गई और बृजेश्वर राणा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वह लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनें तथा उनका समाधान करने हेतु पूरा प्रयास करें।

उपायुक्त पुंछ ने ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की

पुंछ 03 सितंबर। उपायुक्त पुंछ अशोक कुमार शर्मा ने ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिले में विकासात्मक कार्यों और केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति का आकलन किया गया।

बैठक के दौरान, संबंधित अधिकारियों ने ब्लॉक वार महत्वपूर्ण ग्रामीण विकास योजनाओं और अन्य प्रचलित परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की जानकारी दी। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पहलों की स्थिति पर विस्तृत समीक्षा हुई।

उपायुक्त ने ब्लॉक विकास अधिकारियों को मनरेगा कार्यों को तेज गति से निष्पादित करने, चल रही परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने, समय पर टेंडरिंग सुनिश्चित करने, नए कार्यों को शीघ्र शुरू करने और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीसी, सीपीओ, एडीडीसी सीपीओ, एसीपी, डीपीओ, एक्सईएन आरईडब्ल्यू, बीडीओ, एई, जेई और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त उधमपुर ने आश्रय शिविरों का दौरा किया

उधमपुर 03 सितंबर। उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए स्थापित विभिन्न आश्रय शिविरों का दौरा किया और राहत व्यवस्थाओं की समीक्षा की। दौरे के दौरान, उपायुक्त ने उन शिविरों में दी गई सुविधाओं का निरीक्षण किया जहां बाढ़ प्रभावित परिवार अस्थायी रूप से रह रहे हैं। उन्होंने पीड़ितों से संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और समय पर राहत उपायों तथा प्रशासनिक सहायता का आश्वासन दिया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को शिविर निवासियों को सभी आवश्यक सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को उच्च सतर्कता बनाए रखने और प्रभावित परिवारों को शीघ्र सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। प्रभावित परिवारों में राहत सामग्री का वितरण भी किया।

सकीना इत्तू ने सभी डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ से उपलब्ध रहने की अपील की

श्रीनगर 03 सितंबर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने मौजूदा खराब मौसम की स्थिति के मद्देनज़र सभी डॉक्टरों, पैरामेडिक्स तथा अन्य चिकित्सा कर्मियों से जनहित में चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने की अपील की है। अपने संदेश में मंत्री ने कहा 卐मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए मैं सभी डॉक्टरों, पैरामेडिक्स, अस्पताल स्टाफ और प्रशासन से अपील करती हूँ कि वे चौबीसों घंटे उपलब्ध रहें। लगातार बारिश गंभीर जोखिम उत्पन्न कर रही है और हमारी पहली जिम्मेदारी हमारे लोगों के प्रति है। हमें निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी होगी, एकजुट रहना होगा और एक-दूसरे का सहयोग करना होगा। मोहल्ला और मस्जिद समितियां समुदाय का मार्गदर्शन करेंगी

सकीना इत्तू, नसीर असलम वानी ने अनंतनाग का दौरा किया, बाढ़ की स्थिति का लिया जायज़ा

अनंतनाग 03 सितंबर। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी के साथ अनंतनाग पहुँचीं और ज़िले में मौजूदा बाढ़ की स्थिति का प्रत्यक्ष जायज़ा लिया।

दौरे के दौरान मंत्री और सलाहकार ने संगम बाढ़ गेज स्टेशन का निरीक्षण किया और वर्तमान जल स्तर की समीक्षा की। उन्होंने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ बातचीत कर ताज़ा रीडिंग्स और सुरक्षा उपायों की जानकारी ली।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों ने मंत्री और सलाहकार को मौजूदा जल निकासी स्तर, पूर्वानुमान रुझान तथा एहतियाती कदमों के बारे में बताया, ताकि जल स्तर और बढ़ने की स्थिति में समय रहते प्रतिक्रिया दी जा सके।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि

जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नदियों के जल स्तर पर चौबीसों घंटे कड़ी नज़र रखें और आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं के साथ पूरी तरह तैयार रहें।

मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी ने आपदा प्रबंधन में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर बल दिया। उन्होंने ज़िला प्रशासन और स्थानीय समुदायों तक वास्तविक समय की जानकारी पहुँचाने की आवश्यकता को रेखांकित किया, ताकि किसी भी आपात स्थिति का तुरंत सामना किया जा सके। बाद में मंत्री और सलाहकार ने जिला मुख्यालय अनंतनाग में बैठक कर अनंतनाग और शोपियां ज़िलों में मौजूदा बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में विधायक अल्ताफ़ अहमद वानी, अब्दुल मजीद लार्मी, रियाज़ अहमद खान और ज़फ़र अली खटाना, उपायुक्त अनंतनाग सईद फ़ख़रुद्दीन हमीद, मुख्य अभियंता एफ़सी कश्मीर, अतिरिक्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त, बीजबेहाड़ा पीएचई एक्सईएन, अनंतनाग .लड कंट्रोल एक्सईएन, विभिन्न विंगों के एईई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वहीं शोपियां के एडीसी और अन्य ज़िला अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को सभी नदियों और नालों के जल स्तर की चौबीसों घंटे निगरानी रखने और फ़ील्ड स्टाफ एवं कंट्रोल रूम के बीच तेज़ संचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कंट्रोल रूम से प्रति घंटे जनता को आवश्यक अलर्ट जारी करें ताकि संवेदनशील क्षेत्रों के लोग समय से सुरक्षित रूप से निकाले जा सकें।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्याप्त राशन भंडारण, पेयजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से दवाइयों का पर्याप्त भंडार रखने और मेडिकल टीमों को तैयार रखने पर बल दिया। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल टीमें तैनात करने के भी निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मंत्री और सलाहकार ने आपदा प्रबंधन टीमों की कार्यप्रणाली का भी जायज़ा लिया। उन्होंने नागरिक प्रशासन, पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों के बीच समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। मंत्री और सलाहकार ने पुनः आश्वस्त किया कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता लोगों की जान की सुरक्षा है और उन्होंने आम जनता से संयम, सतर्कता एवं प्रशासन के साथ पूरा सहयोग करने तथा परामर्श और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की।

पीसीआर कश्मीर में बाढ़ की तैयारियों और आकस्मिक योजना पर संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित

कश्मीर, 3 सितंबर (हि.स.)। मौजूदा मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान के मद्देनजर तैयारियों का आकलन करने और जमीनी स्तर पर कार्यरत सभी सहयोगी एजेंसियों के बीच समन्वय को मज़बूत करने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष, कश्मीर में बाढ़ की तैयारियों और आकस्मिक योजना पर एक संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विशेष पुलिस महानिदेशक (समन्वय) पुलिस मुख्यालय जम्मू-कश्मीर, कमांडेंट जनरल एचजी सीडी और एसडीआरएफ जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर, संभागीय आयुक्त कश्मीर, पुलिस महानिरीक्षक यातायात, रेंज पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक सशस्त्र और पुलिस महानिरीक्षक, कश्मीर संभाग के उपायुक्त, कश्मीर क्षेत्र के सभी ज़िला पुलिस अधीक्षक और सेना, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

शुरुआत में ज़िला प्रमुखों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी। संभागीय आयुक्त ने तटबंध सुरक्षा, बचाव और निकासी योजनाओं, और झेलम नदी और प्रमुख नदियों के किनारे आकस्मिक व्यवस्थाओं सहित तैयारियों के उपायों का विवरण साझा किया। व्यवधान की स्थिति में वैकल्पिक संचार रणनीतियों पर भी चर्चा की गई।

भाग लेने वाले अधिकारियों ने विभागों के बीच तालमेल के महत्व को रेखांकित किया और जान-माल की सुरक्षा के लिए एक मज़बूत आपदा न्यूनीकरण योजना की आवश्यकता पर बल दिया। उच्च स्तर की तत्परता बनाए रखने, संवेदनशील स्थानों पर जनशक्ति और मशीनरी तैनात करने, जनता तक सूचना का वास्तविक समय पर प्रसार सुनिश्चित करने और जहाँ भी आवश्यक हो तुरंत निकासी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, बाढ़ एवं सिंचाई तथा अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त नियंत्रण कक्षों की स्थापना पर विचार-विमर्श किया गया। मौजूदा प्रतिक्रिया तंत्रों की विस्तृत समीक्षा भी की गई जिसमें सक्रिय तैयारी और मज़बूत अंतर-एजेंसी समन्वय पर ज़ोर दिया गया। बैठक ज़मीनी स्तर पर सतर्क रहने और किसी भी उभरती स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के सामूहिक संकल्प के साथ संपन्न हुई।

सेवा पखवाड़ा के जरिये समाज को और जोड़ना होगा - डॉ. राधा मोहन दास

रायपुर, 3 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा है कि पार्टी आगामी 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा मना रही है। भारतीय जनता पार्टी के जो वैचारिक अधिष्ठान थे, एकात्म मानववाद दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री का जन्मदिन 2 अक्टूबर को आता है भारतीय जनता पार्टी ने इस 15 दिन के कार्यक्रम को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री श्री अग्रवाल ने बुधवार को सेवा पखवाड़ा कार्यशाला के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विचारों पर विश्वास रखने वाले और पिछले 11 वर्षों से जिन्होंने उन्हें लगातार कार्य करते हुए देखा है ऐसे उनके सभी समर्थकों ने तय किया है कि 17 सितम्बर को पूरे देश भर के सभी जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन करेंगे । रक्तदान को लेकर पूरे विश्व भर में जो रिकॉर्ड होगा, हम उससे भी आगे बढ़ेंगे। 17 सितम्बर को हर जिले में और 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडलों में रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। 17 सितम्बर और 2 अक्टूबर को विशेष रूप से कुछ सार्वजनिक स्थानों को चिन्हित करके स्वच्छता अभियान चलाएंगे, साथ ही देश के महानगरों में जहां भूमि उपलब्ध हो सके, वहां हम नमो वन की स्थापना करेंगे और हर स्थानीय निकाय में एक नमो पार्क को विकसित करेंगे ।

सतीश शर्मा ने जम्मू में बाढ़ तैयारी और राहत कार्यों का नेतृत्व किया

कई बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया, समय पर राहत एवं पुनर्वास उपायों का आश्वासन दिया

जम्मू 03 सितंबर। जम्मू जिले में बाढ़ तैयारी और राहत कार्यों को मजबूत करने के निर्णायक कदम के रूप में, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन, युवा सेवाएँ और खेल मंत्री, सतीश शर्मा ने कई बाढ़-प्रवण एवं प्रभावित गांवों का विस्तृत दौरा किया, जिसमें नईबस्ती नारायना पलांवाला, धार चन्नी, पलातन, गिगरियाल, दातरियाल, और गजरेल शामिल हैं।

अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने जलस्तर का निरीक्षण किया, प्रशासन के ऑन-ग्राउंड प्रतिक्रिया की समीक्षा की और स्थानीय निवासियों से उनकी चिंताओं को जानने के लिए संवाद किया। उन्होंने अधिकारियों को जोखिम में रहने वाले समुदायों को मजबूत और समयबद्ध सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया, यह जोर देते हुए कि हर नागरिक की सुरक्षा और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन की समन्वित कार्रवाई के कारण, धार चन्नी, पालतन और इंद्री पाटन जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के निवासियों को सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थानों पर निकाला गया। अस्थायी आश्रय स्थल स्थापित किए गए हैं और उन्हें भोजन, स्वच्छ पेयजल, एलपीजी, और अन्य आवश्यक आपूर्ति से लैस किया गया है। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक भोजनालय चौबीसों घंटे संचालित हो रहे हैं ताकि किसी भी परिवार को बुनियादी जरूरतों की कमी न हो।

भारतीय सेना के प्रति गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए, मंत्री शर्मा ने उनकी तेज राहत कार्यों और जीवन की रक्षा के प्रति उनके अटूट समर्पण की सराहना की। उन्होंने जिला प्रशासन, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के समर्पण और समयबद्ध सेवा के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

मंत्री ने आश्वासन दिया 卐हमारे लोगों की सुरक्षा और कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। सरकार, भारतीय सेना और नागरिक प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय में, निरंतर राहत प्रदान करने, आवश्यक सेवाओं को पुनः स्थापित करने, और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का कार्य कर रही है। इस प्रयास में कोई भी पीछे नहीं छोड़ा जाएगा।卐 राहत कार्यों को मजबूत करने के लिए, मंत्री ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग को सभी राहत केंद्रों में राशन, सुरक्षित पेयजल, और ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि प्रभावित परिवारों को समय पर मुआवजा प्रदान करने के लिए व्यापक नुकसान मूल्यांकन प्राथमिकता से किया जाए।

सड़क संपर्क, विद्युत और जल आपूर्ति की बहाली को तत्काल प्राथमिकता के तौर पर लिया गया है।

बाढ़-प्रवण क्षेत्रों के निवासियों से अपील करते हुए, मंत्री शर्मा ने कहा कि वे सतर्क रहें, सुरक्षा सलाहों का पालन करें, और अधिकारियों के सहयोग करें। उन्होंने सरकार के दृढ़ संकल्प को दोहराया कि सभी प्रभावित परिवारों के पूर्ण पुनर्वास के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों में दीर्घकालिक बाढ़ निवारण और रोकथाम उपाय भी लागू किए जाएंगे।

उपायुक्त राजौरी ने एसडीआरएफराहत समिति की बैठक की अध्यक्षता की

राजौरी 03 सितंबर। राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने डीसी ऑफिस परिसर के वीसी कक्ष में एसडीआरएफ राहत समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में राहत उपायों और बाधित सेवाओं की पुनर्स्थापना की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने मृतकों और घायलों के आश्रितों को तत्काल राहत राशि प्रदान करने तथा घरों को हुए नुकसान के मामलों का आकलन करने पर बल दिया। उन्होंने तहसीलदारों और कृषि विस्तार अधिकारियों को संयुक्त रूप से फ़सल क्षति का आकलन करने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

संवेदनशील क्षेत्रों से स्थानांतरित परिवारों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए, उपायुक्त ने कैम्प के प्रभारी अधिकारियों को नियुक्त करने और विस्थापित लोगों के दैनिक इंतजामों की निगरानी करने को कहा। सड़कों, जल, और बिजली की आपूर्ति की बहाली की समीक्षा की और

अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक में एडीसी राजौरी चंद्र प्रकाश, एसीआर मोहम्मद जहांगीर खान, एसई पीडब्ल्यूडी तिलक राज, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी आफ़ताब अहमद, सीएओ मोहम्मद अमीन, एक्सईएन पीडीडी अब्दुल रशीद, एक्सईएन पीएचई सुदेश कुमार, सीईओ मोहम्मद इक़बाल, और अन्य जिला अधिकारियों ने भाग लिया।